महर्षि सान्दीपनि

राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

Maharshi Sandipani

Rashtriya Veda Vidya Pratishthan

वार्षिक प्रतिवेदन 2010-11

Annual Report 2010-11

प्राधिकरण भवन, भरतपुरी, उज्जैन 456 010
Pradhikaran Bhawan, Bhartpuri, Ujjain 456 010

महर्षि सान्दीपनि
राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.)

वार्षिक प्रतिवेदन
2010 - 11

1. भूमिका

1.1 राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान की स्थापना मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, भारत सरकार द्वारा जनवरी, 1987 में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अन्तर्गत एक स्वायत्त संगठन के रूप में की गई थी। इसके उद्देश्य निम्नवत् हैं :

(क) वैदिक अध्ययन की मौखिक परम्परा का संरक्षण, संवर्धन तथा विकास।

(ख) पाठशालाओं के साथ अन्य साधनों तथा संस्थाओं के माध्यम से वेदों का अध्ययन।

(ग) अनुसन्धान-सुविधाओं की सर्जना करना तथा प्रोत्साहन देना, जिससे वेदों में निहित ज्ञान के विपुल भण्डार को सम्मुख लाया जा सके और इसका तादात्म्य समसामयिक आवश्यकताओं के साथ स्थापित किया जा सके।

(घ) सूचना संकलित करने तथा सम्बन्धित सामग्री को समेकित करने के लिए मूलभूत सुविधाओं तथा अनुकूल परिस्थितियों का सृजन करना तथा विभिन्न साधनों के माध्यम से इनका प्रकाशन तथा प्रचार-प्रसार करना।

1.2 संस्थापना नियमावली में दिये गए उद्देश्यों का विवरण अनुबंध-1 में संलग्न है।

1.3 मई, 1993 में उज्जैन स्थानान्तरित होने के अनन्तर प्रतिष्ठान का नाम "**महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान**" के रूप में परिवर्तित हो गया।

2. प्रतिष्ठान के प्राधिकरण

2.1 इसकी संस्थापना-नियमावली तथा नियमों और विनियमों के अनुसार प्रतिष्ठान के कार्यकलापों के संचालन के लिये, विभिन्न शक्तियाँ और कृत्य इसकी महासभा तथा शासीपरिषद् में निहित हैं जो प्रतिष्ठान के प्राधिकरण हैं और जिनके अध्यक्ष भारत शासन के केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मन्त्री हैं। समय-समय पर प्रतिष्ठान की विस्तृत नीतियों और कार्यक्रमों की समीक्षा करने और इसमें संशोधन और विकास के लिये उपाय प्रस्तावित करने की सामान्य शक्ति इसकी महासभा में निहित है। शासीपरिषद् प्रतिष्ठान का मुख्य कार्यकारी निकाय है। यह इसके कार्यकलापों के सामान्य अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण के लिए उत्तरदायी है।

2.2 प्रतिष्ठान के नियमों में संपत्ति के प्रबन्ध तथा निवेश, वार्षिक बजट प्राक्कलनों तथा लेखों एवं व्यय के विवरण तैयार करने जैसे विषयों में परामर्श देने के लिए वित्त समिति का प्रावधान है, जिसकी अध्यक्षता उपाध्यक्ष करते हैं।

2.3 अपनी साधारण शक्तियों के अन्तर्गत, प्रतिष्ठान शैक्षिक परियोजनाओं और कार्यक्रमों पर विचार करने के लिए एक परियोजना-समिति गठित करता है, जिसके सदस्य वेद तथा सम्बन्धित विषयों के प्रख्यात विद्वद्गण होते हैं। परियोजना-समिति का वर्तमान संघटन अनुबन्ध-2 में दिया गया है।

2.4 दिनांक 5-10-2004 को भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रतिष्ठान की महासभा, शासी परिषद् और वित्तसमिति का अगले पाँच वर्षों की अवधि के लिये पुनर्गठन किया गया था। इन निकायों का सरकार द्वारा दिनांक 5-10-2004 को यथाधिसूचित संघटन अनुबन्ध-3 में दिया गया है। ये निकाय प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान कार्यरत रहे।

3. प्रतिष्ठान के अधिकारी

3.1 प्रतिष्ठान के नियमों में इसके प्रधान के रूप में एक अध्यक्ष का प्रावधान है जिसे पाँच वर्षों की अवधि के लिये भारत सरकार द्वारा नामित किया जाता है। वह महासभा तथा शासीपरिषद् की बैठकों की अध्यक्षता करते हैं। सम्प्रति माननीय मन्त्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार प्रतिष्ठान के अध्यक्ष हैं।

3.2 नियमों में एक उपाध्यक्ष का भी प्रावधान है, जिन्हें अध्यक्ष महोदय द्वारा नामित किया जाता है। उपाध्यक्ष को ऐसे कर्त्तव्यों का पालन करना तथा ऐसे कृत्यों को करने में अपनी शक्तियों का प्रयोग करना होता है, जैसा कि अध्यक्ष द्वारा साधारणतः या किसी व्यक्तिविशेष के मामले में उल्लेख किया जाए। प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा (कुलपति, श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति) दिनांक 24.5.2010 से उपाध्यक्ष पद पर हैं।

3.3 प्रतिष्ठान के नियमों में इसके मुख्य शैक्षिक और कार्यकारी अधिकारी के रूप में एक पूर्णकालिक और वैतनिक सचिव का प्रावधान है। सचिव, प्रतिष्ठान के कार्यों की सामान्यतः देख-रेख करते हैं और उन पर नियन्त्रण रखते हैं तथा प्रतिष्ठान के सभी प्राधिकरणों के निर्णयों को लागू करते हैं।

3.4 भारत सरकार के आदेश क्रमांक 6-16/2010-SKTII दिनांक 6.12.2010 द्वारा प्रो. रूप किशोर शास्त्री (वेद विभागाध्यक्ष, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार) को महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के पूर्णकालिक सचिव पद पर नियुक्त किया गया। प्रो. शास्त्री ने दिनांक 5.1.2011 को कार्यभार ग्रहण किया।

4. अन्य अधिकारी और कर्मचारी

4.1 अपनी आन्तरिक कार्याध्ययन इकाई की संस्तुतियों के अनुसरण में शिक्षा विभाग ने अपने दिनांक 14.8.98 के पत्र द्वारा प्रतिष्ठान के अन्तरिम संगठनात्मक ढाँचे के अंश के रूप में निदेशक, कार्यक्रम अधिकारी, अनुभाग अधिकारी और लेखाकार का एक-एक पद तथा सहायक और चपरासी के दो-दो पद सृजन करने की स्वीकृति प्रदान की थी। सभी संस्वीकृत पदों की भर्ती उपविधि को प्रतिष्ठान की शासी परिषद् द्वारा दिनांक 21.2.2000 को हुई बैठक में अनुमोदित किया गया। मंत्रालय ने इन पदों की नियुक्ति के सन्दर्भ में 6-10/2010-SKTII दिनांक 13.1.2011 को अनुमति प्रदान की, जिस पर कार्यवाही चल रही है।

4.2 प्रतिष्ठान के नये दीर्घकालीन संगठनात्मक ढाँचे के पहले चरण में प्रवर्तन के लिये प्रतिष्ठान की शासी परिषद् तथा भारत सरकार की स्थायी वित्त समिति जो 24.11.98 को हुई, द्वारा उपजे कार्य एवं

गतिविधियों की प्रमात्रा पर आश्रित निम्नलिखित पद स्वीकृत किये गये थे। इन पदों में पूर्व में भरे हुए तथा प्रवर्तित पद भी सम्मिलित हैं -

1. सचिव
2. निदेशक
3. उपनिदेशक (प्रशासन एवं वित्त)
4. कार्यक्रम अधिकारी
5. अनुभाग अधिकारी
6. निजी सहायक
7. लेखाकार
8. सहायक (2)
9. वरिष्ठ आशुलिपिक
10. कनिष्ठ आशुलिपिक (1)
11. सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
12. उच्च श्रेणी लिपिक (2)
13. स्टाफ कार ड्राइवर
14. अवर श्रेणी लिपिक/टंकक (2)
15. पुस्तकालय परिचर
16. चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी/चपरासी (5)
17. चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी-सफाई कर्मचारी

4.3 आलोच्य वर्ष में प्रतिष्ठान के शैक्षिक, प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्य, सदस्य-सचिव के अधीन किया जाता है। एक विशेष कार्य अधिकारी (वित्त), एक आन्तरिक अंकेक्षण अधिकारी, तीन सी ग्रुप कर्मचारी आकस्मिक व्यय पर तदर्थ रूप से नियुक्त किये गये हैं।

5. मुख्यालय

5.1 प्रतिष्ठान का मुख्यालय प्राधिकरण-भवन, "ख" खण्ड, द्वितीय तल, उज्जैन के अपने कार्यालय-भवन में स्थित है। यह स्थान प्रतिष्ठान द्वारा फरवरी, 1993 में उज्जैन विकास प्राधिकरण से खरीदा गया था। दीर्घकालीन उपाय के रूप में मध्यप्रदेश राज्य सरकार ने प्रतिष्ठान को 9.553 हेक्टेयर (23.6 एकड़) भूमि आवंटित की थी। प्रतिष्ठान को अप्रैल 1994 में राज्य सरकार द्वारा इस भूमि का कब्जा दे दिया गया था।

5.2 प्रतिष्ठान की शासी परिषद् के निर्णय के अनुसार प्रतिष्ठान के परिसर में भवनों का वास्तुशिल्प (डिजाइन) तैयार करने का कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के मुख्य वास्तुविद् को सौंपा गया। केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार किये गये उज्जैन में भूमि विकास तथा भवनों के निर्माण के नक्शे और प्राक्कलन प्रतिष्ठान को नवम्बर और दिसम्बर 1999 में दो भाग में प्राप्त हुये। इस प्रयोजन के लिये आवश्यक निधि का प्रावधान करने के लिये सरकार की स्वीकृति लेने हेतु कार्रवाई की गई तथा इस विषय पर एक ज्ञापन सरकार की स्थायी वित्त समिति (एस.एफ.सी.) की इस सम्बन्ध में स्वीकृति के लिये मानव संसाधन विकास मंत्रालय को भेजा गया। ज्ञापन पर एस.एफ.सी. की दिनांक 4.8.2000 को हुई बैठक में निर्णय किया गया कि प्रस्तावों को बैठक में हुई चर्चानुसार पुनः सुधारा जाये और शीघ्र ही समिति के समक्ष पुनः रखा जाय। इस दौरान समिति ने परिसर दीवार एवं प्रवेश द्वार के निर्माण के लिए अनुमानित 62.58 लाख की लागत के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी थी। मंत्रालय द्वारा इस प्रयोजन-हेतु 62.58 लाख रु. के अनुदान की स्वीकृति भी प्रतिष्ठान को दे दी गयी थी। परिसर की दीवार का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

5.3 भवनों के निर्माण तथा परिसर के विकास हेतु स्थायी वित्त समिति (एस.एफ.सी.) दिनांक 18.12.2007 को हुई बैठक में विचार किया गया एवं 25.02 करोड़ रुपये के प्राक्कलन की स्वीकृति प्रदान की गई। इस आधार पर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न भवन निर्माण के नक्शे प्रतिष्ठान को प्रस्तुत किये, जिसकी स्वीकृति प्रतिष्ठान द्वारा मार्च 2008 में प्रदान की गयी। मंत्रालय से वर्ष 2010-11 में प्राप्त 2 करोड़ 80 लाख रुपये अनुदान की राशि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, इन्दौर को एतदर्थ दी गयी। प्रशासनिक भवन की निविदा स्वीकृत कर कार्यादेश दिया गया है तथा कार्य चल रहा है। अन्य भवनों की निविदा में लोक निर्माण विभाग (सी.पी.डब्ल्यू.डी.) द्वारा की गई अड़चनों एवं किये जाने वाले कार्यों में अकर्मण्यता एवं अरुचि के कारण निर्माण स्थल का कार्य बन्द पड़ा है।

6. प्रतिष्ठान की संग्रह-निधि

6.1 प्रतिष्ठान की स्थापना के समय सरकार ने परिकल्पना की थी कि 10 करोड़ रुपये की संग्रह निधि इसके अधिकार में रखी जायेगी, ताकि इसके निवेश से प्राप्त आवर्ती आय को प्रतिष्ठान के विभिन्न कार्यकलापों और कार्यक्रमों के वित्त पोषण के लिए प्रयोग किया जा सके। इस प्रयोजन के लिये 1996-97 के अन्त तक सरकार द्वारा किश्तों में 10 करोड़ रुपये की कुल राशि प्रदान की गई।

6.2 वित्त-समिति की दिनांक 18.10.2001 को हुई बैठक में लिए गये निर्णय के अनुसार सामान्य निधि में संगृहीत धनराशि रु० 10,51,44,931.74 को संग्रह निधि में सम्मिलित किया गया। इस प्रकार यह निधि कुल रु. 20,51,44,931.74 हो गई।

7. नये कार्यक्रमों की स्वीकृति

7.1 दिनांक 24.11.1998 को हुई बैठक में भारत सरकार की स्थायी वित्त समिति ने प्रतिष्ठान की संग्रह-निधि को बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार किया था। विस्तृत चर्चा के पश्चात् समिति प्रतिष्ठान के लिये अधिक धनराशि की आवश्यकता के औचित्य से सन्तुष्ट हुई। यह भी अनुभव किया गया कि प्रतिष्ठान की संग्रह निधि में वृद्धि पूर्वतः संचालित कार्यक्रमों को जारी रखने के लिये, नये शैक्षणिक कार्यक्रमों को समाविष्ट करने के लिए तथा प्रतिष्ठान के उद्देश्यों के निष्पादन के लिये आवश्यक है।

7.2 स्थायी वित्त समिति ने निर्णय लिया कि प्रतिष्ठान की अतिरिक्त निधि की आवश्यकता को संग्रह निधि की वृद्धि के माध्यम के बजाए सरकार से वार्षिक बजट सम्बन्धी सहायता द्वारा प्रदान किया जाए। स्थायी वित्त समिति ने दृढ़तापूर्वक यह भी कहा कि निधि के अभाव में प्रतिष्ठान के कार्यकलापों एवं कार्यक्रमों को किसी प्रकार की क्षति नहीं होने दी जाएगी तथा बजट सम्बन्धी आवंटन का संरक्षण किया जायेगा। स्थायी वित्त समिति के निर्णयानुसार मंत्रालय ने प्रतिष्ठान को वर्ष 2010-11 के लिए 12 करोड़ रुपये की अनुदान राशि चालू कार्यक्रमों पर व्यय के लिये दी।

7.3 स्थायी वित्त समिति द्वारा नये शैक्षिक कार्यक्रमों को स्वीकार किया गया था उन्हें निम्नानुसार दिया गया है। प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान उनके कार्यान्वयन की स्थिति, जहाँ लागू होती है, प्रत्येक कार्यक्रम के नीचे कोष्ठक में दर्शायी गयी है :-

(1) वेदों की लुप्त होने वाली शाखाओं को बचाने के लिये विशेष गुरुकुलों को वित्तीय सहायता।
((अ) त्रिशूर (केरल में सामवेद, जैमिनीय शाखा), (ब) बारिपदा, मयूरभंज (उड़ीसा) में अथर्ववेद (पैप्पलाद शाखा) एवं (स) गुरुयापाल, सिंहभूमि (झारखण्ड) में अथर्ववेद (पैप्पलाद शाखा) में वित्तीय सहायता के लिये गुरुकुलों की पहचान की जा चुकी है। वर्तमान में इनको 'वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना' के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। अधिक विशेष गुरुकुलों की पहचान करने के लिये कार्यवाही जारी है। चित्रकूट (मध्यप्रदेश) तथा झारखंड, उड़ीसा में पैप्पलाद शाखा का अध्यापन कार्य प्रारम्भ हो चुका है।)

(2) श्रौतकर्म परम्परा का संरक्षण और इसका प्रलेखन।
(वर्तमान में सोमयज्ञों के वीडियो/ऑडियो कैसेटों का संग्रहण करना एवं अन्य यज्ञों/इष्टियों का निष्पादन/अन्य स्थानों पर गैर सरकारी संस्थाओं, आदि द्वारा निष्पादित करने की कार्रवाई जारी है। प्रतिष्ठान द्वारा वांछित अधिकारियों एवं स्टॉफ की स्थिति के पश्चात् यज्ञों का निष्पादन एवं उनका प्रलेखन किया जायेगा।)

(3) दुर्लभ एवं अप्राप्त वेद संहिताओं, ब्राह्मणग्रन्थों तथा अन्य वैदिक साहित्य के संस्करण प्रकाशित करने के कार्यक्रम को कार्यान्वित करना।
('वेदविद्या' नामक षाण्मासिक शोध-पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ है। आलोच्य वर्ष में कात्यायन मूल्याध्याय परिशिष्ट एवं ऋग्वेदीय शाङ्खायनशाखीयो रुद्रपाठ संग्रह का प्रकाशन किया गया है।)

(4) 'घर बैठे वेदों की शिक्षा' पत्राचार पाठ्यक्रम का कार्यक्रम प्रवर्तित है। इस योजना के अन्तर्गत जन-जन तक चारों वेद, वेदाङ्ग, ब्राह्मणग्रन्थ, आरण्यकग्रन्थ, उपनिषद्, भारतीय संस्कृति का स्वरूप एवं महत्त्व, भारतीय दर्शन शास्त्र आदि की जानकारी पहुँचाने के उद्देश्य से पाठ्यक्रम को चलाया जा रहा है।

7.4 प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान नये कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने के लिये परियोजना और/अथवा कार्यवाही हेतु योजना तैयार करना जारी रहा।

8. प्रतिष्ठान के प्राधिकरणों की बैठकें तथा महत्त्वपूर्ण निर्णय

8.1 प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान विभिन्न प्राधिकरणों और निकायों की नीचे दिये गये विवरणानुसार बैठकें सम्पन्न हुईं :

परियोजना-समिति	:	एक बैठक, 15 जून 2010
वित्त-समिति	:	दो बैठकें, 8 जुलाई 2010 एवं 14 फरवरी 2011
शासी-परिषद्	:	दो बैठकें, 8 जुलाई 2010 एवं 14 फरवरी 2011
अनुदान समिति	:	दो बैठकें, 14 दिसम्बर 2010 एवं 22 मार्च 2011
महासभा	:	एक बैठक, 15 फरवरी 2011

8.2 उपर्युक्त प्राधिकरणों/निकायों द्वारा लिये गये महत्त्वपूर्ण निर्णय निम्नवत् हैं :

परियोजना समिति :

(1) परियोजना समिति द्वारा वर्ष 2010-11 में होने वाले अखिल भारतीय एवं क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलनों की स्वीकृति प्रदान की गई।

(2) परियोजना समिति ने वर्ष 2010-11 में होने वाली वैदिक संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं की स्वीकृति प्रदान की गई।

(3) परियोजना समिति ने कतिपय दुर्लभ वेदशाखाओं के कार्य हेतु स्वीकृति प्रदान की गयी।

वित्त समिति :

(1) वर्ष 2010-11 के बजट को अनुमोदित किया गया।

(2) प्रतिष्ठान के वर्ष 2009-10 के लेखों पर महालेखाकार द्वारा जारी प्रमाण-पत्र की स्वीकृति प्रदान की गई।

शासी परिषद् :

(1) प्रतिष्ठान के वर्ष 2009-10 के लेखों पर महालेखाकार द्वारा जारी प्रमाण-पत्र की स्वीकृति प्रदान की गई।

अनुदान समिति :

(1) प्रतिष्ठान द्वारा संचालित विभिन्न वेद पाठशालाओं एवं गुरु-शिष्य परम्परा योजना के अन्तर्गत वर्ष 2010-11 के लिए वित्तीय सहायता राशि की स्वीकृति प्रदान की गई।

महासभा :

(1) प्रतिष्ठान द्वारा वर्ष 2012 में रजत जयन्ती के दौरान द्वितीय विश्व वेद सम्मेलन की स्वीकृति प्रदान की गयी।

(2) वर्ष 2012 में एक अन्तर्राष्ट्रीय वैदिक सम्मेलन की स्वीकृति प्रदान की गयी।

(3) प्रतिष्ठान द्वारा संचालित विद्यालयों की परीक्षाओं हेतु वरिष्ठ वैदिक विद्वानों की सूची बनाने की स्वीकृति प्रदान की गयी।

9. प्रवर्तमान कार्यक्रम और कार्यकलाप

9.0 प्रारम्भ से प्रतिष्ठान अपनी संस्थापना-नियमावली में प्रतिष्ठापित उद्देश्यों की उपलब्धि के लिये विभिन्न कार्यक्रमों और कार्यकलापों का सम्पादन करता रहा है। प्रतिवेदनाधीन वर्ष में प्रतिष्ठान द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम और कार्यकलाप अनुष्ठित किये गये :-

9.1 वैदिक संस्थाओं को वित्तीय सहायता

9.1.1 प्रतिष्ठान के उद्देश्यों में सारे देश में वैदिक पाठशालाओं, अनुसंधान केन्द्रों की स्थापना करना, उनका अधिग्रहण करना, उनका प्रबंध अथवा पर्यवेक्षण करना तथा प्रतिष्ठान के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए

उनका सम्पोषण करना तथा उन्हें संचालित करना है। इस प्रावधान के अन्तर्गत देश के विभिन्न वेद पाठशालाओं/विद्यालयों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

9.1.2 मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वैदिक शिक्षा की प्रोन्नति के लिये स्वैच्छिक संगठनों (वेद पाठशालाओं) को वित्तीय सहायता योजना को बजट आवण्टन के साथ प्रतिष्ठान को दिनांक 01.04.1994 से स्थानान्तरित किया गया। इस योजना के अन्तर्गत संगठनों/संस्थाओं/पाठशालाओं के अध्यापकों के मानदेय तथा छात्रों की छात्रवृत्ति के लिये सहायता-अनुदान दिया जाता है। संशोधित दरों के अनुसार एक नवीन वेद अध्यापक को 5500/- रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाता है। 7500/- रुपये प्रतिमाह की दर से 5 वर्ष से अधिक अध्यापन अनुभव प्राप्त और 8500/- रुपये प्रतिमाह की दर से 10 वर्ष से अधिक अध्यापन अनुभव प्राप्त वेदाध्यापकों को मानदेय प्रदान किया जाता है।

9.1.3 एक छात्र के लिए 1000/- रुपये प्रतिमाह की दर से राशि दी जाती है, जिसमें से 500/- रुपये प्रतिमाह पाठशाला द्वारा छात्र के लिये एक राष्ट्रीयकृत बैंक में नियत/आवर्ती जमा खाते में आस्थगितवृत्ति राशि के रूप में इस प्रयोजन के लिये प्रतिष्ठान द्वारा निर्धारित-अनुदेशों के अनुसार जमा किया जाता है। बैंक में संचित राशि ब्याज सहित सम्बन्धित छात्र को सफलतापूर्वक अध्ययन पूर्ण करने पर एक मुश्त प्रदान की जाती है। रुपये 500/- की शेष राशि पाठशालाओं द्वारा छात्र के रख-रखाव के लिये उपयोग में लाई जाती है। पाठशाला के प्रबन्धन से अपेक्षा की जाती है कि वह छात्रों को उनके लिये निर्धारित पोषणमानक तक उचित भोजन आदि की व्यवस्था करें और इस प्रयोजन के लिये अपने संसाधनों से भी आवश्यक निधि प्रदत्त करे। पाठशाला के प्रबन्धन से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वह छात्रों के रख-रखाव उपशीर्ष में छात्रों पर किये गये वास्तविक व्यय का प्रतिष्ठान द्वारा प्रदत्त सहायता-अनुदान के लिये उचित लेखे रखे तथा उसकी उपयोगिता सम्परीक्षक के प्रमाण-पत्र द्वारा प्रमाणित करें।

9.1.4 प्रतिवेदनाधीन वर्ष 2010-11, वेद पाठशालाओं के वेद अध्यापकों के मानदेय में और छात्रों की छात्रवृत्ति में और 'वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाये रखने की योजना' में भाग लेने वाले स्वाध्यायी-अध्यापकों के मानदेय और छात्रों की छात्रवृत्ति से सम्बन्धित प्रवर्तमान परियोजनाओं पर व्यय तथा निर्माणाधीन परिसर के लिये मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने वर्ष 2010-11 में 12,00,00,000/- अनुदान प्रदान किया।

9.1.5 प्रतिष्ठान द्वारा वैदिक पाठशालाओं/विद्यालयों, उनके अध्यापकों व छात्रों से सम्बन्धित पूर्ण विवरण के साथ आवेदन पत्र आमन्त्रित किये गये। पाठशालाओं द्वारा भेजी गयी सूचनाओं की जाँच की गयी। विभिन्न शर्तों और अपेक्षाओं आदि के सम्बन्ध में सन्तुष्ट होने के पश्चात् विभिन्न पाठशालाओं को अनुदान दिया गया।

9.1.6 वर्ष 2010-11 के दौरान, 51 वेद पाठशालाओं/विद्यालयों के 342 अध्यापकों को मानदेय के रूप में 229.95 लाख रुपये तथा 2,302 छात्रों के लिए 270.10 लाख रुपये वृत्ति राशि के रूप में दिये गये। आकस्मिक व्यय के लिये 62.72 लाख रुपये प्रदान किये गये। आलोच्य वर्ष के दौरान 51 पाठशालाओं/विद्यालयों को कुल 562.77 लाख रुपये का भुगतान किया गया।

9.1.7 वर्ष 2010-11 के दौरान, पूर्वोत्तर राज्यों में 2 वेद पाठशालाओं/विद्यालयों के 4 अध्यापकों को मानदेय के रूप में 2,47,467/- रुपये तथा 33 छात्रों के लिए 3,48,000/- रुपये वृत्ति राशि के रूप में दिये गये। आकस्मिक व्यय के लिये 82,800/- रुपये प्रदान किये गये। इस प्रकार आलोच्य वर्ष के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों में 2 पाठशालाओं/विद्यालयों को कुल 6,78,267/- रुपये का भुगतान किया गया। वेद के प्रचार-प्रसार हेतु पूर्वोत्तर राज्यों में वेद सम्मेलन एवं वेद संगोष्ठीयों का आयोजन किया गया जिस पर कुल रु. 6,23,296/- व्यय किया गया। इस प्रकार पूर्वोत्तर राज्यों में कुल व्यय रु. 13,01,563/- व्यय हुआ।

9.1.8 वर्ष 2010-11 के दौरान जिन वेद पाठशालाओं/विद्यालयों को वित्तीय सहायता प्रदान की गयी, सहायता की धनराशि तथा जिस प्रयोजनार्थ सहायता राशि प्रदान की गयी, उसका विवरण अनुबंध - 4 (अ) एवं 4 (ब) में दिया गया है।

9.2 वेद पाठशालाओं/विद्यालयों के छात्रों की परीक्षा

9.2.1 देश के विभिन्न क्षेत्रों में फैली वेदपाठशालाओं/विद्यालयों में चयनित केन्द्रों पर प्रतिष्ठान द्वारा संचालित विद्यालयों तथा वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाये रखने की योजना के अन्तर्गत (गुरु-शिष्य परम्परा योजना में) अध्ययनरत छात्रों की परीक्षा भी सम्पन्न हुई। प्रथम से पंचम वर्ष तक के छात्रों की परीक्षा विभिन्न केन्द्रों पर प्रतिष्ठान द्वारा मनोनीत केन्द्र व्यवस्थापकों, प्रेक्षकों के पर्यवेक्षण में तथा प्रमुख रूप से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, ज.रा. राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय (जयपुर), कलकत्ता विश्वविद्यालय, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (दिल्ली), उत्कल विश्वविद्यालय (भुवनेश्वर), श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय (पुरी), पूना विश्वविद्यालय (पुणे),

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय (वाराणसी), जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय (नई दिल्ली), श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय (वेरावल), विक्रम विश्वविद्यालय (उज्जैन) आदि प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थाओं के विद्वानों के नियन्त्रण में सम्पन्न हुई।

9.2.2 वर्ष 2010-11 में अन्तिम छठे वर्ष के संहितापाठी छात्रों की परीक्षा पांच केन्द्रों पर आयोजित की गई। पूर्वोत्तर राज्यों, उड़ीसा तथा पश्चिम बंगाल के वेद-छात्रों की परीक्षा दिनांक 14.12.2010 से 15.12.2011 तक श्री श्री सीतारामदास ओंकारनाथ संस्कृत शिक्षा संसद, कोलकाता में आयोजित की गई। उ.प्र., बिहार, झारखण्ड के राज्यों के वेद-छात्रों की परीक्षा श्री नरोत्तमानन्दगिरि वेद विद्यालय, झूंसी (इलाहाबाद) में दिनांक 20.12.2010 से 22.12.2010 तक आयोजित की गई। दक्षिण के राज्यों के वेद-छात्रों की परीक्षा दिनांक 27.12.2010 से 29.12.2010 तक राजा वेद काव्य पाठशाला, कुम्भकोणम, तमिलनाडु में आयोजित की गई। महाराष्ट्र तथा गुजरात राज्यों के वेद-छात्रों की परीक्षा दिनांक 5.1.2011 से 6.1.2011 तक श्री संत ज्ञानेश्वर वेदविद्या प्रतिष्ठान, औरंगाबाद में आयोजित की गई तथा शेष राज्यों के वेद-छात्रों की परीक्षा दिनांक 5.3.2011 से 6.3.2011 को उज्जैन में सम्पादित की गई। उक्त परीक्षाओं पर छात्रों के यात्रा भत्ता तथा परीक्षकों प्रेक्षकों के यात्रा भत्ता एवं मानदेय पर 2010-11 में 24.28 लाख रुपये व्यय हुआ।

9.2.3 दिनांक 8 मार्च, 2011 को श्री सूर्यनारायण संकुल सभागार, कालिदास अकादमी, उज्जैन के सभागार में प्रतिष्ठान द्वारा अष्टम समावर्तन दीक्षान्त समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के राज्यपाल महामहिम श्री रामेश्वर ठाकुर थे। इस वर्ष के उत्तीर्ण प्रायः 413 संहितापाठी वैदिक छात्रों को 'वेद-विभूषण' का प्रमाण-पत्र महामहोपाध्याय प्रो. सत्यव्रत शास्त्री (दिल्ली) के आचार्यत्व में प्रदान किया गया तथा प्रो. शास्त्री ने दीक्षान्त भाषण दिया। इस समारोह में प्रतिष्ठान के उपाध्यक्ष प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा (कुलपति, श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति) तथा सचिव प्रो. रूप किशोर शास्त्री ने छात्रों को आशीर्वाद देने के साथ-साथ वेदों के प्रचार-प्रसार में प्रतिष्ठान के योगदान का विशेषतः उल्लेख किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रो. टी.आर. थापक (कुलपति, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन), डॉ. मोहन गुप्त (कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन) तथा अन्य अनेक सम्माननीय विद्वान् उपस्थित थे। इस भव्य दीक्षान्त समारोह में वैदिक विद्वानों तथा स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में वैदिक अध्यापकों को भी प्रतिष्ठान द्वारा सम्मानित किया गया। भव्य दीक्षान्त समारोह का डॉ. फाल्गुनी देसाई (सूरत, गुजरात) ने शानदार संचालन किया।

9.3 वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना

9.3.1 यह योजना सरकार की पंचम पंचवर्षीय योजना अवधि से चल रही थी। प्रतिष्ठान को यह योजना दिनांक 1.4.1994 से कार्यान्वयन के लिये हस्तान्तरित की गयी। इसका उद्देश्य वैदिक उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिये विशेष प्रोत्साहन प्रदान करना है। इस योजना के अन्तर्गत एक स्वाध्यायी-अध्यापक को अपने घर पर या किसी भी उपयुक्त स्थान पर छात्रों को वेदाध्ययन कराना होता है। इस प्रयोजनार्थ चयनित स्वाध्यायी-अध्यापक को कम से कम एक वेद की एक शाखा में पूर्णरूपेण निपुण होना चाहिए। स्वाध्यायी-अध्यापक से यह अपेक्षा की जाती है कि इस प्रयोजनार्थ जिन छात्रों को वेदाध्ययन सिखाने का विशेष दायित्व सौंपा गया है, वह उन्हें विशेष प्रशिक्षण प्रदान करे ताकि वह जिस शाखा में अर्ह है, सस्वर पूरी संहिता के उच्चारण में उन्हें पारंगत बना सके। प्रत्येक छात्र की शिक्षण अवधि छः वर्ष है।

9.3.2 छात्रों के अभिभावकों के लिए यह आवश्यक है कि वे 10,000/- रुपये के मूल्य का एक इंडेमिनिटी बांड (क्षतिपूर्ति बंध-पत्र) दो प्रतिभूतियों सहित इस प्रयोजन के लिये निष्पादन करें कि वे अपने प्रतिपाल्य को छः वर्ष की न्यूनतम अवधि से पूर्व अध्ययन पाठ्यक्रम से नहीं हटाएँगे। स्वाध्यायी-अध्यापक को भी एक वचनबंध देना आवश्यक है कि वह योजना की निबंधन जन्य शर्तों का पालन करेगा। स्वाध्यायी-अध्यापक को मानदेय तथा छात्र को देय छात्रवृत्ति की दरें क्रमशः 5,000/- रुपये, 500/- रुपये प्रतिमाह है।

9.3.3 आलोच्य वर्ष के दौरान, वैदिक सस्वर योजना के अन्तर्गत 206 इकाईयों को अनुदान दिया गया, जिसमें कुल 204 अध्यापकों एवं 1764 वैदिक छात्रों ने इस योजना में भाग लिया तथा उन्हें 200.23 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

9.3.4 आलोच्य वर्ष के दौरान, पूर्वोत्तर राज्यों में वैदिक सस्वर योजना के अन्तर्गत 4 इकाईयों को अनुदान दिया गया, जिसमें कुल 4 अध्यापकों एवं 46 वैदिक छात्रों ने इस योजना में भाग लिया तथा उन्हें 4.25 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

9.4 सभी के लिए वैदिक कक्षाएँ

9.4.1 वैदिक अध्ययन तथा तत्सम्बन्धी जानकारी का प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रतिष्ठान के पास उन सभी के लिए जो इस विषय में रुचि रखते हैं, चाहे भले ही उनके पास कोई शैक्षिक अर्हता न हो, वैदिक कक्षाएँ चलाने की योजना है। इस योजना के अंतर्गत, वेद के सभी विशिष्ट विषयों पर 100 व्याख्यान दिए जाते हैं, जो प्रत्येक शनिवार तथा रविवार को दो-दो व्याख्यान के रूप में होते हैं। पाठ्यक्रम का स्वरूप जिसमें व्याख्यान मालाओं के विषय भी शामिल हैं, का निर्धारण प्रतिष्ठान द्वारा किया जाता है। इन कक्षाओं के आयोजन के लिए निम्नानुसार वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है -

1.	व्याख्याताओं को देय मानदेय (250/- रुपये प्रति व्याख्यान)	25,000/- रुपये
2.	समन्वयक को देय पारिश्रमिक (1200/- रुपये प्रत्येक 20 व्याख्यानों के लिए)	6,000/- रुपये
3.	लेखन सामग्री, डाक टिकट इत्यादि सहित विविध व्यय	9,000/- रुपये
	योग :	**40,000/- रुपये**

9.4.2 आलोच्य वर्ष में वैदिक कक्षाएँ नैसर्गिक शोध संस्थान, वाराणसी द्वारा आयोजित की गई।

9.5 संगोष्ठियाँ

9.5.0 वैदिक अध्ययन के क्षेत्र में अनुसंधान के प्रोत्साहन के लिए प्रतिष्ठान द्वारा प्राथमिकता के क्षेत्रों में संगोष्ठियाँ आयोजित की जाती हैं। ये संगोष्ठियाँ प्रतिष्ठान द्वारा पूर्ण अथवा आंशिक रूप से वित्तपोषित की जाती हैं। आलोच्य वर्ष में प्रतिष्ठान ने इस प्रकल्प हेतु विभिन्न संस्थाओं द्वारा निम्नलिखित संगोष्ठियाँ आयोजित करने के लिये वित्तीय सहायता प्रदान की :-

9.5.1 अजमेर (राजस्थान) में 'वेद एवं संस्कृत उपनिषद' तथा 'वेदमन्त्र पाठ प्रतियोगिता' विषयक अखिल भारतीय वेद संगोष्ठी

दिनांक 19 एवं 20 फरवरी 2011 को महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर (राजस्थान) के सहयोग से अजमेर में द्विदिवसीय अखिल भारतीय वेद संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

दिनांक 19 फरवरी, 2011 को संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र का शुभारम्भ गुजरात प्रदेश की राज्यपाल महामहिम श्री. कमलाजी द्वारा किया गया। महामहिम ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि वेद विश्व की प्राचीनतम धरोहर है। विश्व की ऐसी कोई समस्या अथवा प्रवृत्ति नहीं है, जिसकी चर्चा और समाधान वेद में न हो। इस सत्र के अध्यक्ष प्रो. भागीरथसिंह (कुलपति, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर) थे। अमेरिका से आगत प्रो. भूदेव शर्मा मुख्य वक्ता थे। प्रो. स्वतन्त्रकुमार (कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार) तथा डॉ. श्री गोपाल बाहेती (पूर्व विधायक) विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित थे। प्रो. रूप किशोर शास्त्री (सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन) ने सभी अभ्यागतों का स्वागत किया तथा प्रतिष्ठान के उद्देश्यों को प्रस्तुत किया। प्रो. सुभाष वेदालंकार (संगोष्ठी आयोजक, सचिव एवं प्रभारी) ने आयोजन के उद्देश्यों की जानकारी दी। सत्र का संचालन आचार्य मोक्षराज ने किया।

इसी दिन द्वितीय सत्र में डॉ. अनिता जैन, डॉ. अल्पना शर्मा, डॉ. ममता चतुर्वेदी, आचार्य सुरेश शास्त्री (दिल्ली), डॉ. सत्यवती, डॉ. अर्चना दुबे (वनस्थली, राजस्थान), डॉ. नन्दिता सिंह, डॉ. वन्दना शर्मा, डॉ. मनीषा शर्मा (हरियाणा), डॉ. रमेशचन्द्र मुरारी, प्रो. वीरेन्द्रकुमार (चंडीगढ़), प्रो. श्रीकृष्ण शर्मा (हरियाणा), प्रो. अरुण शर्मा (हरियाणा), प्रो. केदारनाथ (जम्मू कश्मीर), प्रो. राजेन्द्र मिश्र (शिमला), प्रो. धर्मवीर (अजमेर) आदि विद्वानों ने शोधपत्रों का वाचन किया।

दिनांक 20 फरवरी 2011 को प्रातःकालीन सत्र में देश के विभिन्न प्रांतों से आये विद्वानों ने शोध पत्रों का वाचन किया। इसके बाद प्रो. रूप किशोर शास्त्री (सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन) के मुख्य आतिथ्य में वेदमन्त्र पाठ प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। प्रो. गिरीश खोमला (अमेरिका) अध्यक्ष थे। सारस्वत अतिथि आचार्य सत्यजीत थे। आचार्य महेश नन्दे (पुष्कर) सम्मानित अतिथि थे। प्रो. केदारनाथ (जम्मू कश्मीर) विशिष्ट अतिथि थे।

इसी दिन समापन सत्र के मुख्य अतिथि श्री महेन्द्रलाल कुमावत (अध्यक्ष, राजस्थान लोकसेवा आयोग) थे। मुख्य वक्ता प्रो. राजेन्द्र मिश्र थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. भागीरथसिंह (कुलपति, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर) थे। प्रो. सुभाष तनेजा (आयोजन सचिव एवं प्रभारी) ने सभी अभ्यागतों को धन्यवाद ज्ञापित किया। सम्पूर्ति सत्र का संचालन आचार्य मोक्षराज ने किया।

इस प्रकार द्विदिवसीय राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी सम्पन्न हुई।

9.5.2 वाराणसी (उ.प्र.) में 'उपवेद गान्धर्ववेद और संगीतशास्त्र' विषयक अखिल भारतीय वेद संगोष्ठी

दिनांक 28 फरवरी से 2 मार्च 2011 को श्री पट्टाभिरामशास्त्री वेद मीमांसा अनुसन्धान केन्द्र, वाराणसी तथा ज्ञानप्रवाह, वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में ज्ञानप्रवाह के सभागार में त्रि-दिवसीय अखिल भारतीय वेद संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

दिनांक 28 फरवरी, 2011 को उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्रो. कमलेशदत्त त्रिपाठी (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के मानोन्नत आचार्य, वाराणसी) ने की। प्रो. युगलकिशोर मिश्र (पूर्व कुलपति, जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर) सारस्वत अतिथि थे। मुख्य अतिथि राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय (ग्वालियर) के कुलपति प्रो. चित्तरंजन ज्योतिषी थे। विशिष्ट अतिथि प्रो. ऋत्विक सान्याल (संकाय प्रमुख, मञ्च कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी) थे।

श्री पट्टाभिराम शास्त्री वेद मीमांसा अनुसन्धान केन्द्र तथा आचार्य गोपालचन्द्र मिश्र वैदिक उन्नयन संस्थान, वाराणसी के वेद-विद्यार्थियों ने वेदों की विभिन्न शाखाओं एवं पद्धतियों के अनुसार वैदिक मंगलाचरण प्रस्तुत किया। श्री पट्टाभिराम शास्त्री वेद मीमांसा अनुसन्धान केन्द्र के अध्यक्ष एवं 'ज्ञान-प्रवाह' के न्यासी प्रो. युगलकिशोर मिश्र ने समागत विद्वानों को अंगवस्त्र प्रदान कर अभिनन्दन किया तथा ज्ञान-प्रवाह की निदेशिका प्रो. कमल गिरि ने स्वागत किया। इस अवसर पर प्रो. ऋत्विक सान्याल, प्रो. चित्तरंजन ज्योतिषी, प्रो. युगलकिशोर मिश्र आदि विद्वानों ने संगीत की भिन्न-भिन्न विधाओं पर चर्चा प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र का सञ्चालन डॉ. गोपालप्रसाद शर्मा (प्राध्यापक, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली) ने तथा धन्यवाद-प्रकाश प्रो. युगलकिशोर मिश्र ने किया।

उद्घाटन सत्र के पश्चात तीन दिवसों में चार शैक्षणिक सत्र आयोजित हुए। प्रथम सत्र की अध्यक्षा प्रो. भीमसिंह (प्रोफेसर, संस्कृत विभाग एवं अध्यक्ष, कला संकाय, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा) ने की। मुख्य अतिथि प्रो. रमेशचन्द्र दाश शर्मा (वेद विभागाध्यक्ष, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली) थे। सत्र का संयोजन प्रो. आनन्दकुमार श्रीवास्तव (आचार्य, संस्कृत विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय) ने किया।

द्वितीय सत्र की अध्यक्षता प्रो. देवेन्द्रनाथ पाण्डेय (वेद विभागाध्यक्ष एवं वेद वेदाङ्ग संकायाध्यक्ष, श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल, गुजरात) ने की। डॉ. रवीन्द्रनाथ भट्टाचार्य (संस्कृत विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय) मुख्य अतिथि थे। सत्र का संचालन डॉ. शरदिन्दुकुमार तिवारी (प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय) ने किया।

तृतीय सत्र की अध्यक्षता प्रो. रूप किशोर शास्त्री (सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन) तथा सारस्वत अतिथि डॉ. नीलकण्ठ पुरुषोत्तम जोशी (मानद आचार्य, ज्ञान-प्रवाह सांस्कृतिक अध्ययन एवं अनुसन्धान केन्द्र) रहे। संयोजन का दायित्व निर्वहन डॉ. सुकुमार चट्टोपाध्याय (प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय) ने किया।

चतुर्थ सत्र की अध्यक्षता आचार्य प्रो. आद्याप्रसाद मिश्र (पूर्व कुलपति, वैदिक विश्वविद्यालय, जयपुर) ने की तथा मुख्य अतिथित्व डॉ. देवेन्द्रनाथ पाण्डेय (वेरावल, गुजरात) ने अलंकृत किया। सत्र का संयोजन डॉ. शैलेन्द्रनाथ दीक्षित (आचार्य, गोपालचन्द्र मिश्र वैदिक उन्नयन संस्थान, वाराणसी) ने किया।

इन चार सत्रों में 'उपवेद गान्धर्ववेद और संगीतशास्त्र' विषय पर डॉ. अर्चना त्रिपाठी, डॉ. मंजू कुमारी, डॉ. त्रिपुर सुन्दरी, डॉ. पुष्पा त्रिपाठी, डॉ. धर्मदत्त चतुर्वेदी, डॉ. भगवतशरण शुक्ल, डॉ. नित्यावती देवी, डॉ. शरदिन्दुकुमार तिवार, डॉ. चन्द्रकान्ता राय, डॉ. पवनकुमार पाण्डेय, श्री नीरज तिवारी, डॉ. विजयकुमार शर्मा, श्री रविकान्त कमूदन, श्री रूपम पाठक, श्री विनोदकुमार शर्मा, कु. ममता मेहरा, श्री वागीश शुक्ल, डॉ. उमेशकुमार सिंह, प्रो. मनुलता शर्मा, कु. रूपाली पाण्डेय, डॉ. सुकुमार चट्टोपाध्याय, डॉ. बिन्दू, डॉ. कुसुम कालेकर, डॉ. गंगाधर मिश्र, डॉ. शैलेन्द्रनाथ दीक्षित, प्रो. श्रीकिशोर मिश्र (सभी वाराणसी), डॉ. चन्द्रकान्त द्विवेदी (उज्जैन), डॉ. भास्करनाथ भट्टाचार्य (कोलकाता), प्रो. मीरा शर्मा (आगरा), डॉ. किरनदेवी (मिर्जापुर), डॉ. अमरावती शर्मा (छपरा), श्री विजय भारद्वाज (जयपुर) ने अपने शोधपत्र पढ़े तथा संगोष्ठी में सहभागिता की।

त्रिदिवसीय अखिल भारतीय संगोष्ठी के अन्तिम दिवस पञ्चम सत्र में 'ज्ञानप्रवाह' परिसर स्थित यज्ञशाला में श्रौतेष्टि प्रयोग का अनुष्ठान सम्पन्न हुआ जिसका संयोजन प्रो. युगलकिशोर मिश्र (पूर्व कुलपति, राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय) ने किया। इस सत्र के विशिष्ट अतिथि प्रो. हरिहर त्रिवेदी

(श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली) थे। मुख्य अतिथि डॉ. केदारनाथ शुक्ल (उज्जैन) थे। इस अवसर पर अभ्यागत विद्वानों के स्वागत के बाद संगोष्ठी का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के पूर्व सचिव एवं संस्कृत विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर श्रीकिशोर मिश्र ने कहा कि गन्धर्व सूर्य की रश्मियों का नाम है, जो समभाव से सबको प्रकाशित करती हैं।

इस प्रकार त्रिदिवसीय अखिल भारतीय संगोष्ठी सम्पन्न हुई।

9.6 वैदिक सम्मेलन

9.6.0 प्रतिष्ठान के कार्यक्रमों में वैदिक सम्मेलनों का महत्त्वपूर्ण स्थान है और ये सम्पूर्ण देश में वैदिक अध्ययन और ज्ञान के प्रचार के प्रमुख साधन हैं। प्रतिवर्ष एक अखिल भारतीय और अन्य क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन आयोजित किये जाते हैं। उद्घाटन और समापन समारोह के साथ ये सम्मेलन त्रिदिवसीय आयोजित होते हैं। ये सम्मेलन आयोजक के रूप में उत्कृष्ट वैदिक संस्थाओं, विश्वविद्यालयों, विद्यापीठों आदि के सहयोग से सम्पन्न किये जाते हैं। उन स्थानों पर, जहाँ ऐसी संस्थाएँ उपलब्ध नहीं हैं, सम्मेलन आयोजित करने के लिये प्रसिद्ध विद्वानों एवं गणमान्य व्यक्तियों की आयोजन-समितियाँ गठित की जाती हैं।

आलोच्य वर्ष 2010-11 के दौरान, प्रतिष्ठान द्वारा पांच क्षेत्रीय और एक अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन आयोजित किये गये, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

9.6.1 गोलाघाट (असम) में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन

दिनांक 27 से 29 मई, 2010 को भरद्वाज शान्ति आश्रम न-गोसई सत्र, बंगालगांव, देरगांव, गोलाघाट (असम) के सहयोग से त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन आयोजित किया गया।

दिनांक 27 मई, 2010 को उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश श्री शैलेन्द्रकुमार फुकन ने वैदिक सम्मेलन का उद्घाटन किया। प्रो. भवकृष्ण मिश्र अध्यक्ष थे। इस अवसर पर संस्था द्वारा प्रकाशित 'हिरण्यगर्भ' स्मृति ग्रन्थ का विमोचन किया गया। डॉ. जयप्रकाश नारायण द्विवेदी (निदेशक, द्वारकाधीश

संस्कृत अकादमी एवं शोध संस्थान, द्वारका, गुजरात) विशिष्ट विद्वान की अध्यक्षता में डॉ. जीवन पाठक (गोलाघाट, असम), डॉ. दिलीप गोस्वामी (प्रधानाचार्य, जोरहाट जगन्नाथ बरुवा महाविद्यालय), डॉ. रातुल बरुवा आदि विद्वानों ने वेद पर व्याख्यान प्रस्तुत किये।

इसी दिन सायंकालीन सत्र में भरद्वाज शान्ति आश्रम के कलाकारों द्वारा एक अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

दिनांक 28 मई, 2010 को वैदिक मंगलाचरण के साथ सत्र का प्रारम्भ किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. लक्ष्मीश्वर झा (प्रोफेसर, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली) ने की। इस अवसर पर श्री प्रफुल्ल बड़ा (असमिया विभाग के प्रधान, सेवानिवृत्त अध्यापक तथा साहित्यिक निबन्धकार), श्री बुद्धीन्द्रनाथ बरठाकुर (सेवानिवृत्त अध्यापक, योरहार बालिगांव संस्कृत पाठशाला) आदि विद्वान उपस्थित थे।

इसी दिन के मध्यान्ह सत्र का शुभारम्भ माननीय श्री तरुण गोगई (मुख्यमंत्री, असम शासन) द्वारा किया गया। असम के मुख्यमंत्री श्री गोगई ने इस अवसर पर देश की एकता तथा विश्वशांति के लिए वैदिक ज्ञान के महत्त्व को रेखांकित करते हुए इस क्षेत्र में महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान द्वारा संचालित योजनाओं के महत्त्व का उल्लेख किया। भरद्वाज शान्ति आश्रम के अध्यक्ष श्री अपूर्व बरुआ अध्यक्ष, डॉ. जयप्रकाश नारायण द्विवेदी (गुजरात), प्रो. लक्ष्मीश्वर झा (नई दिल्ली) विशिष्ट विद्वान तथा वैदिक विद्वान डॉ. उपेन्द्र त्रिपाठी (बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी) आदि अन्य वैदिक विद्वान उपस्थित थे।

इसी दिन सायंकालीन सत्र में असम प्रांत के मुख्य धर्माचार्य डॉ. पीताम्बर देव गोस्वामी जी ने श्रीमद् भागवत पुराण तथा वेद विषय पर उद्‌बोधन प्रस्तुत किया।

दिनांक 29 मई, 2010 को मेघालय के राज्यपाल महामहिम श्री रंजीतकुमार मुशहरी तथा असम प्रांत के राज्यपालन महामहिम श्री जानकीवल्लभ पटनायक ने सम्मेलन हेतु भेजे हुए सन्देश का वाचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षा डॉ. जुपेन्द्र त्रिपाठी (प्रोफेसर, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी) ने की। डॉ. नगेन ठाकुर (सेवानिवृत्त प्राध्यापक, गुवाहाटी विश्वविद्यालय), डॉ. जयप्रकाश नारायण द्विवेदी (गुजरात), प्रो. लक्ष्मीश्वर झा (नई दिल्ली), सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. गोकुलेन्दु नारायणदेव

गोस्वामी आदि विद्वान उपस्थित थे। सम्मेलन के संयोजक/सचिव श्री सुमीतिवल्लभ गोस्वामी ने सभी वैदिकों एवं सम्मेलन में उपस्थित विद्वानों का आभार प्रस्तुत किया।

इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न हुआ।

9.6.2 कोलकता (पश्चिम बंगाल) में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन

दिनांक 17 से 19 दिसम्बर, 2010 तक श्री श्री सीतारामदास ओंकारनाथ संस्कृत शिक्षा संसद, कोलकाता के सहयोग से त्रिदिवसीय वैदिक क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

दिनांक 17 दिसम्बर, 2010 को प्रो. हरेकृष्ण शतपथी (कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति) ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। उद्घाटन अवसर पर प्रो. करुणासिन्धु दास (कुलपति, रवीन्द्रभारती विश्वविद्यालय, कोलकाता), प्रो. नीलकंठपति (कुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी), प्रो. सीतानाथ डे (उपकुलपति, असम विश्वविद्यालय, असम) आदि विद्वान् उपस्थित थे। डॉ. गोपाल मित्रा (उपाध्यक्ष, श्री श्री सीतारामदास ओंकारनाथ संस्कृत शिक्षा संसद्) ने सम्मेलन में आगत समस्त विद्वानों एवं वेदपाठियों का स्वागत किया। डॉ. बुद्धेश्वर षडंगी (प्रवक्ता, श्री श्री सीतारामदास वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय) ने उद्घाटन सत्र का संचालन किया।

इसी दिन द्वितीय शैक्षणिक सत्र की अध्यक्षता प्रो. समीरनचन्द्र चक्रवर्ती ने किया। इस सत्र में प्रो. सीतानाथ डे (त्रिपुरी), डॉ. प्रद्योतकुमार, डॉ. तारकनाथ अधिकारी, डॉ. इन्द्राणीकर आदि वैदिक विद्वानों ने वेद में भिन्न-भिन्न विषयों पर प्रकाश डाला। डॉ. शशिभूषण मिश्रा (प्रवक्ता, श्री सीतारामदास वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय) ने सत्र का संचालन किया।

इसी दिन शैक्षणिक सत्र के बाद विभिन्न प्रांतों से आगत वेदपाठियों ने वेद की भिन्न-भिन्न शाखाओं में सस्वर पाठ सम्पन्न किया। डॉ. रूमा बन्द्योपाध्याय ने सांस्कृतिक प्रस्तुति प्रस्तुत की।

दिनांक 18 दिसम्बर, 2010 को प्रातःकालीन सत्र वैदिक मंगलाचरण के साथ डॉ. सुधाकर मिश्र के संयोजन में प्रारम्भ किया गया। इस सत्र को शैक्षणिक सत्र मानते हुए विशिष्ट विद्वान प्रो. भवानीप्रसाद भट्टाचार्य (पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष, जादवपुर विश्वविद्यालय) की अध्यक्षता में डॉ. अभिजीत घोष,

डॉ. उदयचन्द्र बन्द्योपाध्याय, डॉ. भास्करनाथ भट्टाचार्य आदि विद्वानों ने वेद के भिन्न-भिन्न विषयों पर चर्चा की। इस सत्र का संचालन डॉ. शशिभूषण मिश्रा (प्रवक्ता, श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कोलकाता) ने किया।

इसी दिन द्वितीय सत्र में प्रो. नबनारायण बन्द्योपाध्याय की अध्यक्षता में हुआ। इस सत्र में डॉ. दीपक भट्टाचार्य, डॉ. अमिय भट्टाचार्य, डॉ. भउदास गुप्ता, डॉ. दिलीप पण्डा आदि विद्वानों ने वेदों के भिन्न-भिन्न विषयों पर परिचर्चा प्रस्तुत की। इस सत्र का संयोजन डॉ. स्वदेवरंजन घोसाल (प्रवक्ता, श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कोलकाता) ने किया।

इसी दिन सायंकाल में श्रीमती इन्दिरा गांगुली ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. कौशिक मालाकार (प्रवक्ता, श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कोलकाता) ने किया।

दिनांक 19 दिसम्बर, 2010 को प्रातःकालीन सत्र में विभिन्न प्रांतों से आए वेदपाठियों ने वेद की भिन्न-भिन्न शाखाओं में मंगलाचरण प्रस्तुत किया। इस सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. विनयकृष्ण मुखोपाध्याय (पूर्व प्रधानाचार्य, श्री रामकृष्ण शारदा शिक्षा मन्दिर) थे। इस सत्र का संचालन डॉ. कौशिक मालाकार (प्रवक्ता, श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कोलकाता) ने किया।

इसी दिन समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. दिलीपकुमार कांजीलाल (अध्यक्ष, श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कोलकाता) ने की। इस सत्र में श्री अचिन्त्य मुखोपाध्याय, प्रो. अशोकनाथ बोस (पूर्व कुलपति, जादवपुर विश्वविद्यालय), प्रो. गोपाल मित्रा, डॉ. निर्मल्यनारायण चक्रवर्ती, डॉ. सीतानाथ डे (त्रिपुरा), डॉ. सोमेशकुमार मिश्रा (प्रधानाचार्य, श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कोलकाता) आदि विद्वानों ने भाग लिया।

सम्मेलन के संयोजक डॉ. सुरेशकुमार बनर्जी (रजिस्ट्रार, श्री श्री सीतारामदास ओंकारनाथ संस्कृत शिक्षा संसद्, कोलकाता) ने सभी आगत विद्वानों एवं वैदिकों का आभार प्रकट किया।

इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न हुआ।

9.6.3 बलसाड (गुजरात) में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन

दिनांक 19 से 21 दिसम्बर, 2010 तक तीन दिनों में श्री विद्यामृत वर्षिणी पाठशाला के सहयोग से बलसाड़ (गुजरात) में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन आयोजन किया गया।

दिनांक 19 दिसम्बर, 2010 को प्रथम दिन वेदमूर्ति मन्दारकेशव सप्रे (पूना) ने ऋग्वेद पर मंगलाचरण प्रस्तुत किया। डॉ. अजीत ठाकुर (अहमदाबाद), डॉ. राजेन्द्र चौरलिया, डॉ. गौरी माहुलकर तथा डॉ. योगिनी व्यास ने वेद के भिन्न-भिन्न विषयों पर चर्चा की।

इसी दिन के द्वितीय सत्र में डॉ. मुकुन्द वाडेकर, डॉ. माधवी नरसलिया, डॉ. जे.के. भट्ट तथा डॉ. मणिभाई प्रजापति ने वेद के भिन्न-भिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

दिनांक 20 दिसम्बर, 2010 को प्रथम सत्र में श्री कृपेशभाई वैशम्पायन ने कृष्ण यजुर्वेद पर मंगलाचरण प्रस्तुत किया। डॉ. रवीन्द्र खांडवाला, डॉ. मेधराम भट्ट तथा डॉ. प्रज्ञा जोशी ने वेद में अपने-अपने मौलिक विचार प्रस्तुत किये।

इसी दिन के अपराह्ण सत्र की अध्यक्षता प्रो. उमेशप्रसाद दास (महाराजा संस्कृत कॉलेज, गांधीनगर, जयपुर) द्वारा की गयी। इस दिन के दोनों सत्रों में ऋग्वेद, शुक्ल यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद की विभिन्न शाखाओं का पाठ गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान आदि प्रदेशों से समागत वैदिकों ने प्रस्तुत किया।

दिनांक 21 दिसम्बर, 2010 को प्रथम सत्र वेदगान से प्रारम्भ हुआ। डॉ. श्वेता, डॉ. मयूरी, डॉ. नीना तथा डॉ. भाग्यलता पाटस्कर (निदेशक, वैदिक संशोधन मण्डल, पुणे) ने वैदिक विषयों पर विशद चर्चा प्रस्तुत की।

सम्मेलन के सम्पूर्ति सत्र की अध्यक्षता परम पूज्य श्री विद्यानन्दजी महाराज द्वारा की गयी। प्रतिष्ठान की ओर से डॉ. अनूपकुमार मिश्र तथा श्री अभय पाण्डेय ने प्रतिष्ठान परिचय के साथ वैदिक विषयों पर आधुनिक चर्चा प्रस्तुत की। सम्मेलन के संयोजक डॉ. नरेश भट्ट ने समागत विद्वानों, वैदिकों तथा सभी अन्य नागरिकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

इसी प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न हुआ।

9.6.4 औरंगाबाद (महाराष्ट्र) में अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन

दिनांक 7 से 9 जनवरी, 2011 तक श्री सन्त ज्ञानेश्वर वेदविद्या प्रतिष्ठान, औरंगाबाद के तत्वावधान में त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन आयोजित किया गया।

दिनांक 7 जनवरी, 2011 को उद्घाटन सत्र का शुभारम्भ वैदिक मन्त्रोच्चारण के साथ जगद्गुरु शंकराचार्य विद्यानृसिंह भारती (करवीर पीठ, कोल्हापुर) की अध्यक्षता में किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता थे डॉ. त्रि.ना. धर्माधिकारी, चन्द्रकान्त खैरे (सांसद, औरंगाबाद), डॉ. केदारनाथ शुक्ल (कोषाध्यक्ष, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन), सौ. अनिता घोडेले (नगर प्रमुख, औरंगाबाद) तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

इसी दिन मध्यान्ह सत्र में पूज्य आनन्दगिरिजी महाराज की अध्यक्षता में वेदपाठ तथा सत्र परिचर्चा का आयोजन किया गया। डॉ. रवीन्द्र मुले, डॉ. अशोक देव आदि विद्वानों ने अपने विचार प्रकट किये।

दिनांक 8 जनवरी, 2011 को परम पूज्य राव साहब महाराज की अध्यक्षता में सामान्य जनों में वेदविषयक विचार पहुंचाने हेतु देशभर से आये वैदिक विद्वानों तथा स्थानीय गणमान्य नागरिकों सहित औरंगाबाद से पैठज तक वैदिक मन्त्रोच्चारण, वैदिक ध्वज तथा मंगलमय ध्वनि के साथ शोभायात्रा निकाली गयी। इस सभा में प्रो. राजेन्द्र विद्यालंकार (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा), विशिष्ट विद्वान् मोरेश्वर विनायक पैसास (पुणे), वेदाचार्या नंदिता शास्त्री, प्रो. निर्मला कुलकर्णी, डॉ. सविता जोशी आदि वैदिक विदुषियों तथा विद्वानों ने वेद पर परिचर्या की। सभा का संचालन सुश्री कल्पना जागडिया ने किया।

दिनांक 9 जनवरी, 2011 को प्रातःकाल का सत्र वेद के भिन्न-भिन्न शाखाओं के मंगलाचरण से प्रारम्भ हुआ। पं. महादेव शास्त्री की अध्यक्षता में पर्जन्य इष्टि सम्पन्न की गयी।

सम्मेलन के सम्पूर्ति सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. रूप किशोर शास्त्री (सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन) रहे। सदस्य-सचिव ने समागत वैदिकों तथा अन्य नागरिकों के समक्ष वेद संरक्षण में आने वाली चुनौतियों एवं समाधान की दिशा की विवेचना की तथा प्रतिष्ठान के

उद्देश्यों को प्रस्तुत किया। सम्मेलन के संयोजक वेदमूर्ति दुर्गादास अम्बादास मुले ने समागत विशिष्ट विद्वानों, वैदिकों तथा सभी अन्य नागरिकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस प्रकार त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न हुआ।

9.6.5 उज्जैन (म.प्र.) में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन

दिनांक 16 से 18 जनवरी, 2011 तक श्री गणेश वैदिकाश्रम के सहयोग से त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

दिनांक 16 जनवरी, 2011 को उद्घाटन सत्र का शुभारम्भ डॉ. मोहन गुप्त (कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन) की अध्यक्षता में वेदों की भिन्न-भिन्न शाखाओं में मंगलाचरण के साथ प्रारम्भ किया गया। इस अवसर पर प्रो. रूप किशोर शास्त्री (सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान), इटली से आगत संस्कृत विद्वान् डॉ. जेम्स तथा अन्य विद्वानों ने वेद पर व्याख्यान दिये। डॉ. दिवाकर नातू (अध्यक्ष, गणेश वैदिकाश्रम, उज्जैन) ने समस्त अतिथियों का पुष्पहार एवं शाल, श्रीफल से स्वागत किया।

इसी दिन के द्वितीय सत्र की अध्यक्षता वेदमूर्ति श्रीकृष्ण बनवडीकर ने की। समागत विद्वानों में श्री वेदमूर्ति मोरेश्वर विनायक घैसासजी, श्री धूपकरजी, श्री गजानन गोडशेजी, श्री हरिहर दीक्षित आदि वैदिकों ने वेद के पाठ प्रस्तुत किये तथा डॉ. श्रीमती भाग्यलता पाटस्कर (निदेशक, वैदिक संशोधन मण्डल, पुणे) ने वेद पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

दिनांक 17 जनवरी, 2011 को वैदिक मंगलाचरण के साथ सत्र का प्रारम्भ किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता श्री गणेश भालचन्द्र बागदरे (म.प्र. मराठी अकादमी, भोपाल) ने की। इस सत्र में आचार्य श्री गजानन गोडसे (वाराणसी), श्री लक्ष्मीकांत पाठक आदि विद्वानों ने व्याख्यान भी दिये।

इसी दिन के द्वितीय सत्र की अध्यक्षता आचार्य श्री कृष्ण शास्त्री कानिटकर (इन्दौर) ने की। डॉ. श्यामसुन्दर निगम (निदेशक, कावेरी शोध संस्थान, उज्जैन) ने वैदिक सभ्यता पर सारगर्भित चर्चा प्रस्तुत की।

दिनांक 19 जनवरी, 2011 को वैदिक मंगलाचरण के साथ सत्र का प्रारम्भ किया गया। इस सत्र के अध्यक्ष प्रो. युगलकिशोर मिश्र (पूर्व कुलपति, रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर) थे। प्रो. कमलेशदत्त त्रिपाठी (वाराणसी) सारस्वत अतिथि थे। श्री आनन्दीलाल जोशी (प्रशासक, महाकालेश्वर मन्दिर), पं. आनन्दशंकर व्यास तथा प्रो. रूप किशोर शास्त्री (सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन) उपस्थित थे। श्री विनायक दुराफे (उपाध्यक्ष, श्री गणेश वैदिकाश्रम, उज्जैन) ने उपस्थित विद्वानों, वैदिकों एवं अन्य नागरिकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न हुआ।

9.6.6 राजपलायम (तमिलनाडु) में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन

दिनांक 27 फरवरी से 1 मार्च, 2011 तक पी.ए.सी.आर. सेतुरमम्मल चैरिटीज, राजपलायम के संयुक्त तत्वावधान में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन आयोजित किया गया।

दिनांक 27 फरवरी, 2011 को श्री श्री अभिनव विद्यातीर्थ भारती वेद पाठशाला, राजपलायम से श्रीमती आर. सुदर्शनम् (ट्रस्टी, पाठशाला) ने दीप प्रज्जवलित कर शोभायात्रा निकाली गयी। श्री पी.आर. सुब्रमन्य राजा (अध्यक्ष, रामको ग्रुप) ने सम्मेलन में समागत वेदपाठियों, विद्वानों तथा नागरिकों का स्वागत किया। डॉ. वी.आर. गौरीशंकर (धर्माधिकारी, श्री शृंगेरी मठ) ने वेदों के विकास एवं वैदिक संस्कृति पर प्रकाश डाला। प्रो. रूप किशोर शास्त्री (सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन) ने समागत विद्वानों, वेदपाठियों तथा नागरिकों का स्वागत करते हुए प्रतिष्ठान के अन्तर्गत चल रही वैदिक योजनाओं एवं सरकारी कार्यक्रमों से अवगत कराया।

इसी दिन सायंकालीन सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम रागांजली की प्रस्तुति श्रीमती प्रेमलता दिवाकर बंगलौर इन द आडिटोरियम ऑफ आनन्द गार्डन ने की।

दिनांक 28 फरवरी, 2011 को डॉ. आर. कृष्णमूर्ति शास्त्रीगल, श्री वामसीकृष्ण धनपाठीगल (अवधूत दत्त पीठम्, मैसूर) तथा अन्य वैदिक विद्वानों ने वेद के भिन्न-भिन्न विषयों पर चर्चा की।

इसी दिन सायंकाल सभी वैदिक विद्वान् बस द्वारा श्री शंकर नैनर तिरुक्कोविल मन्दिर दर्शन के लिये गये।

दिनांक 1 मार्च, 2011 को पूज्य स्वामी ओंकारानन्दजी की अध्यक्षता में समागत वैदिक विद्वानों तथा वेदपाठियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। श्री पी.आर. वेंकटमा राजा (उपाध्यक्ष, पी.ए.सी.आर. सेतुरम्मल चैरिटीज, राजपलायम) ने सभी वैदिकों एवं सम्मेलन में उपस्थित विद्वानों का आभार प्रकट किया।

इस प्रकार त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न हुआ।

9.7 अध्येतावृत्ति

9.7.1 वैदिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अध्येतावृत्ति का प्रावधान है। इस प्रयोजन के लिए प्रतिष्ठान में एक व्यापक अध्येतावृत्ति योजना चलाई जा रही है। इस योजना का प्रमुख उद्देश्य विद्वानों को, विशेष रूप से युवा शोध छात्रों को, अवसर प्रदान करके वेदों तथा वैदिक साहित्य के विभिन्न पक्षों पर अनुसन्धान को बढ़ावा देना है ताकि वे अनुसंधान-परियोजनाओं में पूर्णकालिक आधार पर अपने चयनित शोध विषयों पर गंभीर गवेषणा-कार्य कर सकें। इस योजना के अंतर्गत निम्नलिखित अध्येतावृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं -

1. राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति,
2. वरिष्ठ अध्येतावृत्ति,
3. सामान्य अध्येतावृत्ति,
4. कनिष्ठ अनुसंधान अध्येतावृत्ति।

9.7.2 पात्रता/अर्हताएं, अध्येतावृत्ति की निबंधन और शर्तें, विशिष्ट समय पर उपलब्ध अध्येतावृत्तियों की विभिन्न श्रेणियों की संख्या आदि का निर्धारण योजना में किया गया है। किसी विशेष वित्तीय वर्ष के दौरान परियोजना की व्यावहारिकता तथा बजट प्रावधान की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए अध्येतावृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं।

9.8 प्रकाशन

9.8.1 अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रतिष्ठान का एक महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम प्रकाशन है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत वैदिक साहित्य से संबंधित अप्राप्य एवं दुर्लभ ग्रंथों का प्रकाशन एवं पुनर्मुद्रण किया जाता है। समीक्षात्मक संस्करणों, कतिपय ग्रन्थों का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद, महत्त्वपूर्ण विषयों पर निबन्ध तथा प्रतिष्ठान के अध्येता विद्वानों द्वारा किये गये शोधकार्यों के प्रतिवेदनों का मुद्रण भी किया जाता है। इसके अतिरिक्त, संगोष्ठियों व कार्यशालाओं में प्रस्तुत किये गये शोधपत्रों और उनकी कार्यवाही को भी प्रकाशनार्थ लिया जाता है।

9.8.2 आलोच्य वर्ष के दौरान कात्यायन मूल्याध्याय परिशिष्ट एवं ऋग्वेदीय शाङ्खायनशाखीयो रुद्रपाठ संग्रह का प्रकाशन किया गया।

9.9 शोध-पत्रिका का प्रकाशन

9.9.1 प्रतिष्ठान नवीन अनुसंधानों को प्रोत्साहित करने के लिये **'वेदविद्या'** नामक एक शोध पत्रिका (Research Journal) का भी प्रकाशन करता है, जिसमें हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत तीनों भाषाओं में वेदविषयक उत्कृष्ट निबन्धों का प्रकाशन इस अभिप्राय से किया जाता है कि उनका लाभ विद्वज्जन एवं सामान्य जनता को प्राप्त हो सके। यह शोध पत्रिका ISSN नं. 2230-8962 से युक्त मूल्यांकित शोध-पत्रिका (Refereed Research Journal) है।

9.9.2 प्रतिष्ठान द्वारा अब तक प्रकाशित ग्रन्थ अथवा जिनके प्रकाशनार्थ वित्तीय सहायता दी गई, का विवरण अनुबंध 6 में दिया गया है।

9.10 पुस्तकालय

9.10.1 प्रतिष्ठान के पास उज्जैन में अपना एक पुस्तकालय है तथा इस पुस्तकालय में वैदिक साहित्य तथा संबंधित विषयों पर लगभग 3000 पुस्तकें हैं। यतः उज्जैन में प्राधिकरण भवन स्थित प्रतिष्ठान कार्यालय में सीमित स्थान में है तथा अभी अर्हता प्राप्त पुस्तकालय स्टाफ की नियुक्ति होनी है, अतः 1993-94 से पुस्तकालय का और अधिक विस्तार नहीं हो पाया। तथापि वर्तमान वर्ष में पुस्तकालय की

पुस्तक-संख्या में कुछ वृद्धि की गई है। यह पूर्णतः कम्प्यूटराईज्ड किया जा रहा है। शीघ्र ही पूर्ण हो जायेगा। राज्य सरकार द्वारा इसे आवंटित की गई भूमि पर प्रतिष्ठान के सम्पूर्ण निर्माण कार्यक्रम के अंश के रूप में तथा दीर्घकालीन उपायों के तौर पर, प्रतिष्ठान के पुस्तकालय के लिए विकास योजना, आवश्यक भवन की रूपरेखा सहित प्रस्तावित है।

9.11 वैदिक गणित

9.11.1 प्रतिष्ठान आरम्भ से ही वैदिक गणित में अनुसंधान का अनुसरण कर रहा है। वर्ष 1992-93 के दौरान इस विषय पर गठित एक विशेषज्ञ समिति कार्य करती रही। विभिन्न सिफारिशों पर की गई अनुवर्ती कार्यवाही के फलस्वरूप, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद् ने कुछ सूत्रों तथा उनके अनुप्रयोगों को सुशोभित सामग्री के तौर पर शिक्षक दिग्दर्शिका तथा वैदिक गणित पर व्याख्यानों को शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किया। वैदिक गणित में स्कूलों के शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए समय-समय पर कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती हैं। आलोच्य वर्ष के दौरान, कोई कार्यशाला नहीं आयोजित की जा सकी।

9.12 'वैदिक डाइरेक्टरी' की निर्माण योजना

9.12.1 'वैदिक डाइरेक्टरी' के निर्माण की महत्त्वाकांक्षी योजना पर भी काम चल रहा है। वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिये डिजीटल अथवा सी.डी. रोम तकनीक के माध्यम से विभिन्न वेद संहिताओं एवं ब्राह्मणों के सस्वर उच्चारण का वीडियो रिकार्ड करना।

9.12.2 डिजीटल अथवा सी.डी. रोम तकनीक के माध्यम से दुर्लभ वैदिक पाण्डुलिपि का संरक्षण। वर्तमान में विभिन्न संस्थाओं के पास उपलब्ध पाण्डुलिपियों की पाण्डुलिपि निर्देशिका तैयार की जा रही है।

9.13 वयोवृद्ध वेदपाठियों को वित्तीय सहायता

9.13.1 वर्ष 2010-11 के दौरान प्रतिष्ठान के योगदान के तौर पर 'वेदपाठ निधि ट्रस्ट', चेन्नई को 5,50,000/- रुपये का अनुदान वयोवृद्ध वैदिक पंडितों को सहायता प्रदान करने की उनकी योजना के लिये दिया गया। वेदपाठ निधि ट्रस्ट द्वारा वयोवृद्ध वैदिक पंडितों को नीचे दी गयी दरों से अनुदान दिया जाता है :

1. वेदपाठी जो 80 वर्ष की आयु से अधिक हैं, तथा संस्कृत और शास्त्र में पारंगत हैं, प्रत्येक को 600/- रुपये प्रतिमाह की दर से सहायता दी जाती है।

2. वेदपाठी जो 80 वर्ष की आयु के हैं, प्रत्येक को 500/- रुपये प्रतिमाह की दर से सहायता दी जाती है।

3. अन्य वेदपाठी जो 65 वर्ष तथा इससे अधिक आयु के हैं, प्रत्येक को 400/- रुपये प्रतिमाह की दर से सहायता दी जाती है।

9.13.2 प्रतिष्ठान द्वारा वयोवृद्ध वेदपाठियों, जो 65 वर्ष से अधिक आयु के हैं तथा विकलांग वेदपाठियों को अनुदान की राशि दी जाती है। आलोच्य वर्ष के दौरान 39 वयोवृद्ध एवं विकलांग वेदपाठियों को, प्रत्येक को 500/- रुपये प्रतिमाह की दर से 2,32,000/- रुपये का अनुदान दिया गया। इसमें एक वयोवृद्ध वेदपाठी का शरीरान्त हो जाने के कारण 8 माह का अनुदान जारी किया गया।

9.14 नित्याग्निहोत्रियों को वित्तीय सहायता

9.14.1 प्रतिष्ठान के पास ऐसे नित्याग्निहोत्रियों को 1,000/- रुपये प्रतिमाह की दर से वित्तीय सहायता प्रदान करने की एक योजना है जो सपत्नीक नियमित रूप से अपने ही घरों में प्राचीन वैदिक परम्परा के अनुसार सविधि वेद मन्त्रों के उच्चारण सहित अग्न्याधान कर गो सेवा करते हुए नित्य अग्निहोत्र का अनुष्ठान करते हैं। वित्तीय सहायता का उद्देश्य अग्निहोत्री द्वारा नित्य अग्निहोत्र अनुष्ठान करने के लिए उस पर होने वाले व्यय की आंशिक तौर पर प्रतिपूर्ति करना है। इसमें वरीयता उन्हें दी जाती है, जो वयोवृद्ध हैं, और नित्यकर्म के रूप में अग्निहोत्र का संपादन करते हैं।

9.14.2 वर्ष 2010-11 के दौरान उच्चाधिकारियों के समक्ष विचाराधीन है। अतः शीघ्र कार्यवाही की अपेक्षा है।

9.15 वेदपाठियों का सम्मान

9.15.1 वर्ष 2010-11 के दौरान वेदपाठियों को गोलाघाट (असम), कोलकाता (पश्चिम बंगाल), वलसाड (गुजरात), औरंगाबाद (महाराष्ट्र), उज्जैन (म.प्र.), राजपलायम (चैन्नई) में आयोजित

वैदिक सम्मेलन के अवसर पर समागत प्रत्येक वेदपाठी को 2,500/- रुपये की संभावना राशि से सम्मानित किया गया।

9.16 वेद ज्ञान सप्ताह समारोह

9.16.1 प्रतिष्ठान ने वैदिक ज्ञान एवं उसमें निहित मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए देश के विभिन्न भागों में वेद ज्ञान सप्ताह समारोह मनाने का एक कार्यक्रम शुरू किया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश में वेदों, वैदिक ज्ञान तथा भारतीय संस्कृति के बारे में जागृति उत्पन्न करना है।

9.16.2 इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रख्यात वैदिक संस्थाओं अथवा विद्वानों के लिये स्वीकार्य नियमों के अनुसार एक पूरे सप्ताह के दौरान ऐसे कार्यकलाप, जैसे कि जन-साधारण की उपयोगिता वाले चुनिन्दा विषयों पर प्रख्यात वैदिक विद्वानों द्वारा व्याख्यान, चित्रों, चार्टों तथा मॉडलों आदि के माध्यम से प्रदर्शनियाँ आयोजित करने, आकाशवाणी तथा दूरदर्शन के नेटवर्क पर वैदिक सूक्तियों से संबंधित उचित संदेशों का प्रसारण करने, छात्रों में वैदिक सूक्तों/मंत्रों का मन्त्रोच्चारण प्रतियोगिता करने तथा उन्हें पुरस्कार प्रदान करने और विद्वानों को सम्मानित करने के लिए अनुदान दिया जाता है। ये समारोह प्रमुख शहरों में आयोजित किए जाते हैं।

9.17 वैदिक मंत्रोच्चारण की टेप रिकार्डिंग (ध्वन्यङ्कन)

9.17.1 मौखिक परम्परा के संरक्षण के लिए प्रतिष्ठान का एक आवश्यक कार्यकलाप विभिन्न वैदिक शाखाओं के मंत्रोच्चारण की टेप रिकार्डिंग (ध्वन्यङ्कन) सी.डी./डी.वी.डी. में करना है। राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में कुछ शाखाओं की टेप रिकार्डिंग करने का एक केन्द्र है। वर्ष 1992-93 तथा 1993-94 के दौरान, प्रतिष्ठान हेतु टेपों के डुप्लीकेट बनाने के लिए विद्यापीठ के सहयोग से व्यवस्था की गई थी, ताकि वेद मंत्रोच्चारण का एक पूरा सेट उपलब्ध हो सके। तिरुपति विद्यापीठ में जितने टेप उपलब्ध थे, उनके डुप्लीकेट टेप बनाए जा चुके हैं। प्रतिष्ठान द्वारा विभिन्न स्रोतों से विभिन्न शाखाओं तथा विभिन्न शैलियों में जो वैदिक मंत्रोच्चारण संबंधी ऑडियो-वीडियो (श्रव्य-दृश्य) टेप संकलित किए गए हैं, उनका विवरण अनुबंध-7 में दिया गया है।

9.17.2 इस क्षेत्र में अभी कार्य किया जाना है। विविध कारणों से बृहत् पैमाने पर प्रतिष्ठान इस दिशा में कोई प्रगति नहीं कर सका। टेप रिकार्डिंग कार्यक्रम को पुनः आरम्भ करने के लिये योजना बनाई जा रही है।

9.18 पैकेज ऑडियो कैसेटों को तैयार किया जाना

9.18.0 वर्ष 1994-95 में, वेद विद्या को लोकप्रिय बनाने हेतु 20 से 25 घंटे का पैकेज ऑडियो कैसेट तैयार करने हेतु, प्रारम्भ में हिन्दी में, वेदों का परिचय कराने, वैदिक परम्परा तथा उसमें निहित नैतिक एवं मानवीय मूल्यों की जानकारी के संबंध में प्रारंभिक ज्ञान देने के लिये कार्यक्रम आरम्भ किया गया। एक विशेषज्ञ द्वारा कैसेटों का आलेख लिखा जा रहा है। इनका मूल्यांकन करने के पश्चात ये ऑडियो कैसेट अंग्रेजी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में तैयार किये जाएंगे।

9.19 घर बैठे वेदों की शिक्षा

9.19.1 प्रतिष्ठान द्वारा घर बैठे वेदो की शिक्षा का पत्राचार पाठ्यक्रम का कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। इसमें उत्तीर्ण वेदानुरागियों को **'वेद-निपुण'** प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत जनसामान्य को चारों वेद, वेदाङ्ग, ब्राह्मणग्रन्थ, आरण्यक, उपनिषद्, भारतीय संस्कृति का स्वरूप एवं महत्त्व, भारतीय दर्शन शास्त्र की सामान्य जानकारी जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से पाठ्यक्रम को मूर्त रूप दिया गया है। इसके साथ ही पाठ्यक्रम को रुचिकर बनाने के लिए वैदिक आख्यानों एवं गाथाओं को भी यथास्थान प्रस्तुत किया गया है। इस सत्र के दौरान पाठ्यक्रम सुव्यवस्थित रूप से चलता रहा। उक्त पाठ्यक्रम को हिन्दी अथवा अंग्रेजी माध्यम से किया जा सकता है।

◆◆◆◆

अनुबन्ध

2010 - 2011

अनुबन्ध - 1

उद्देश्य

प्रतिष्ठान की स्थापना निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति के लिये की गई है :-

1. वैदिक अध्ययन की श्रुति-परम्परा का संरक्षण, परिरक्षण और विकास, जिसके लिये प्रतिष्ठान विभिन्न कार्यकलाप प्रारम्भ करेगा, जैसे कि पारम्परिक वैदिक संस्थाओं और विद्वानों को सहायता, छात्रवृत्तियाँ आदि देना और दृश्य तथा श्रव्य टेप की तैयारी।

2. विद्वानों और पण्डितों के माध्यम से सस्वर वेदपाठ की परम्परा को बल देना।

3. इस क्षेत्र में उच्चतर शोध में समर्पित विद्यार्थियों को प्रवृत्त करने के लिये उन्हें प्रोत्साहन देना।

4. जिन विद्यार्थियों को वेदों के ज्ञान की गुणता है, उन्हें शोध की सुविधाओं का प्रावधान करना और उनमें पर्याप्त वैज्ञानिक और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करना, जिससे कि वेदों में जो आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान है, विशेष रूप से गणित, खगोलशास्त्र, ऋतुविज्ञान, रसायनशास्त्र, द्रवचालिकी (हाइड्रोलिक्स) आदि के बारे में, उसका तादात्म्य आधुनिक विज्ञान और टेक्नोलोजी से स्थापित किया जाए और साथ ही विद्यार्थियों और आधुनिक विद्वानों के बीच घनिष्ठ सम्बन्ध स्थापित किया जा सके।

5. देश भर में वैदिक पाठशालाओं और शोध केन्द्रों की स्थापना, उनका अधिग्रहण, प्रबन्ध चलाना या उनका पर्यवेक्षण या प्रतिष्ठान के किसी भी उद्देश्य के लिये उनका संचालन या भरण-पोषण करना।

6. जो भी धर्मस्व या न्यास बन्द हो चुके हैं या ठीक ढङ्ग से नहीं चलाए जा रहे हैं, उनको फिर से उज्जीवित करना और उनका प्रबन्ध चलाना।

7. उन शाखाओं की ओर विशेष ध्यान देना जो लुप्त हो रही हैं, जिनके मानव-मात्र पहचाने जा सकते हैं और इन शाखाओं से सम्बन्धित पण्डितों की व्यापक सूची तैयार करना।

8. यह पता लगाना कि वेदों की श्रुति-परम्परा में विशेष प्रकार के सस्वर पाठ कौन-कौन से हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों, संस्थाओं और मठों में प्रचलित हैं और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है।

9. वैदिक शाखाओं की विभिन्न उच्चारण परम्पराओं के बारे में यह जानकारी एकत्रित करना कि मूल-पाठ की सामग्री, छपी हुई पाण्डुलिपियाँ, टीकाएँ और भाष्य उपलब्ध हैं या नहीं।

10. देश में जो दृश्य या श्रव्य रिकार्ड उपलब्ध हैं, उनके बारे में जानकारी सङ्कलित करना।

11 वैदिक युग के आरम्भिक काल से लेकर वर्तमान तक वैदिक मूलपाठ और वैदिक साहित्य में निहित वैज्ञानिक ज्ञान, जिनमें विज्ञान, कृषि, प्रौद्योगिकी, दर्शन-शास्त्र, योग, शिक्षा, काव्यशास्त्र, भाषाविज्ञान और वैदिक परम्परा के क्षेत्र शामिल हैं, की उन्नति हेतु अनुसन्धान करना और इसके लिये ग्रन्थालय, शोध उपस्कर, अनुसन्धान सुविधाएँ, आलम्बन स्टाफ तथा तकनीकी जनशक्ति का प्रावधान करना।

12. ऐसे सारे कार्यकलाप प्रारम्भ करना, जो प्रतिष्ठान की संस्थापना नियमावली में दिये गये सारे उद्देश्यों या किसी एक की पूर्ति के लिए आवश्यक, आनुषङ्गिक या सहायक है।

अनुबन्ध - 2

परियोजना समिति के सदस्यों की सूची

1. **प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा** — अध्यक्ष
   उपाध्यक्ष,
   महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान,
   प्राधिकरण भवन, भरतपुरी,
   उज्जैन - 456010 (मध्यप्रदेश)

2. **प्रो. युगलकिशोर मिश्र**
   7, प्रोफेसर कॉलोनी,
   जगतगंज, वाराणसी - 221002 (उ.प्र.)

3. **डॉ. गोकुलेन्द्र एन.डी. गोस्वामी**
   H/o श्री डी.एस. देव शर्मा ,
   काली मन्दिर, ज्योतिनगर (वेस्ट)
   गुवाहाटी (असम)

4. **श्री वी. गोपालकृष्णन शास्त्री**
   सेवानिवृत्त प्राचार्य, संस्कृत कॉलेज,
   राजमुन्दरी (आ.प्र.)

5. **प्रो. किशोरचन्द्र महापात्र**
   अध्यक्ष, धर्म शास्त्र विभाग
   श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय
   पुरी (उड़ीसा)

6. **डॉ. पी.के. श्रीवत्स**
   नं. 64, 3rd क्रास, गवीपुरम एक्सटेंशन
   बंगलौर - 560019 (कर्नाटक)

7 पं. साधु भद्रेश
स्वामी नारायण मन्दिर
अक्षरधाम मन्दिर,
अहमदाबाद (गुजरात)

8. प्रो. दयानन्द भार्गव
फ्लेट नं. G-1, D-148,
पेराडाईज अपार्टमेन्ट,
जयपुर - 302 026 (राजस्थान)

9. श्री कृष्णमूर्ति शास्त्रीगल
मकान नं. 2, संस्कृत कॉलेज स्ट्रीट,
मैलापोर, चैन्नई - 4

10. प्रो. रूप किशोर शास्त्री — सचिव
सचिव
महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान,
प्रशिक्षण भवन, भरतपुरी,
उज्जैन - 456010 (मध्यप्रदेश)

अनुबन्ध - 3

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

क. महासभा के सदस्यों की सूची

1 **मंत्री श्री कपिल सिब्बल** — अध्यक्ष
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार
नई दिल्ली 110001

2 **प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा** — उपाध्यक्ष
कुलपति,
श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति
अलीपीरी चन्द्रागिरि बायपास मार्ग,
तिरुपति - 517 502 (आ.प्र.)

3. **पं. मोरेश्वर विनायक धैसास**
विनायक धैसास गुरुजी वेदपाठशाला
वेद भवन,
क्र. 77/1/2, पौंड रोड, कौथरुड
पुणे - 411 029 (महाराष्ट्र)

4. **श्री मागन्ती सुब्रह्मन्यम्**
अध्यक्ष,
कृष्ण मण्डल वेद विद्वत् प्रवर्धक सभा
40-12-8/2, बृन्दावन कॉलोनी,
वेंकटेश्वरपुरम, विजयवाड़ा - 520 010 (आ.प्र.)

5. **डॉ. रामप्रसाद उपाध्याय**
वेद वेदाङ्ग संस्कृत महाविद्यालय
रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड)

6 **प्रो. जयप्रकाश नारायण द्विवेदी**
निदेशक,
श्री द्वारकाधीश संस्कृत अकादमी एवं इन्डोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट
द्वारका - 361 335 (गुजरात)

7. **डॉ. रवीन्द्रनाथ भट्टाचार्य**
निदेशक,
वेद विद्या पीठम्,
646, रविन्द्र सारणी, बाग बाजार
कोलकाता - 700 003 (पश्चिम बंगाल)

8. **प्रो. आनंदकुमार श्रीवास्तव**
प्रोफेसर ऑफ वेद, संस्कृत विभाग
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय
वाराणसी 221 005 (उ.प्र.)

9. **प्रो. देवेन्द्रनाथ पण्ड्या**
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, वेद विभाग
डीन, फेकल्टी ऑफ वेद-वेदाङ्ग
श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय
विश्वविद्यालय मार्ग,
वेरावल - 362 265 (गुजरात)

10. **डॉ. वी. रामकृष्ण भट्ट**
डीन, फेकल्टी ऑफ वैदिक मेटाफिजिक्स
श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय
कालड़ी (केरला)

11. **प्रो. भीमसिंह**
प्रोफेसर, संस्कृत
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
कुरुक्षेत्र - 136 119 (हरियाणा)

12. श्री अशोक ठाकुर
अतिरिक्त सचिव
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन,
नई दिल्ली - 110001

13. वित्तीय सलाहकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001

14. संयुक्त सचिव (भाषायें)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
(माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001

15. अध्यक्ष
केन्द्रीय संस्कृत बोर्ड
31, औरंगाबाद रोड,
नई दिल्ली - 110001

16. अध्यक्ष
टी.टी. देवस्थानम् बोर्ड मेनेजमेन्ट कमेटी,
तिरुपति - 517507 (आन्ध्रप्रदेश)

17. डॉ. एस. नटराजन
अध्यक्ष,
शंकर अकादमी ऑफ संस्कृत
कल्चर एण्ड क्लासिकल आर्ट्स,
शहीद जीतसिंह मार्ग, कटवारिया सराय,
नई दिल्ली - 110016

18 **अध्यक्ष**
चतुर्धाम वेद भवन न्यास
स्वदेशी हाउस, सिविल लाईन्स
कानपुर - 208001 (उत्तरप्रदेश)

19. **डॉ. भाग्यलता ए. पाटस्कर**
निदेशक
वैदिक संशोधन मण्डल
टी.वी. नगर,
पूना - 411001 (महाराष्ट्र)

20 **प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी**
कुलपति,
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया,
जनकपुरी, नई दिल्ली - 110057

21. **सचिव**
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र
जनपथ, नई दिल्ली - 110001

22. **प्रो. वाचस्पति उपाध्याय**
कुलपति,
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ,
कटवारिया सराय,
नई दिल्ली - 110016

23. **प्रो. एच.के. शतपथी**
कुलपति,
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ,
तिरुपति - 517507 (आन्ध्र प्रदेश)

24. **कुलपति**
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय,
दरभंगा - 846004 (बिहार)

25. **कुलपति**
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,
जगतगंज, वाराणसी - 221002 (उत्तर प्रदेश)

26. **कुलपति**
श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय,
श्री विहार, पुरी - 752001 (उड़ीसा)

27. **कुलपति**
गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय,
हरिद्वार - 249401 (उत्तर प्रदेश)

28. **निदेशक**
विश्वेश्वरानन्द वैदिक रिसर्च इंस्टीट्यूट,
पो.आ. साधुआश्रम
होशियारपुर - 146021 (पंजाब)

29. **संयुक्त सचिव (सांस्कृतिक धरोहर)**
संस्कृति विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001

30. **प्रो. श्रीकिशोर मिश्र** — **सचिव**
सचिव,
महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
प्राधिकरण भवन, भरतपुरी,
उज्जैन - 456010 (मध्यप्रदेश)

(दिनांक 5.1.2011 से प्रो. रूप किशोर शास्त्री ने पदभार ग्रहण किया)

ख. शासी परिषद् के सदस्यों की सूची

1. **माननीय श्री कपिल सिब्बलजी** — अध्यक्ष
   मंत्री
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   भारत सरकार
   नई दिल्ली 110001

2. **प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा** — उपाध्यक्ष
   कुलपति,
   श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति
   अलीपीरी चन्द्रागिरि बायपास मार्ग,
   तिरुपति - 517 502 (आ.प्र.)

3. **वित्तीय सलाहकार**
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001

4. **संयुक्त सचिव (भाषायें)**
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
   (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001

5. **श्री भागन्ती सुब्रहमन्यम**
   अध्यक्ष,
   कृष्ण मण्डल वेद विद्वत प्रवर्धक सभा
   40-12-8/2, वृन्दावन कॉलोनी,
   वेंकटेश्वरपुरम्, विजयवाड़ा - 520 010 (आ.प्र.)

6. **प्रो. भीमसिंह**
   प्रोफेसर, संस्कृत
   कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
   कुरुक्षेत्र - 136 119 (हरियाणा)

7. **प्रो. गंगाबल्लभ त्रिपाठी**
कुलपति,
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया,
जनकपुरी, नई दिल्ली - 110057

8. **निदेशक (भाषाएँ)**
शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001

9. **प्रो. श्रीकिशोर मिश्र** सचिव
सचिव,
महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
प्राधिकरण भवन, भरतपुरी,
उज्जैन - 456010 (मध्यप्रदेश)

(दिनांक 5.1.2011 से प्रो. रूप किशोर शास्त्री ने पदभार ग्रहण किया)

ग. वित्त समिति के सदस्यों की सूची

1. **प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा** अध्यक्ष
कुलपति,
श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति
अलीपीरी चन्द्रागिरि बायपास मार्ग,
तिरुपति - 517 502 (आ.प्र.)

2. **संयुक्त सचिव (भाषायें)**
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
(माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001

3. **वित्तीय सलाहकार**
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   (माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग)
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001

4. **प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी**
   कुलपति,
   राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
   56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया,
   जनकपुरी, नई दिल्ली - 110057

5. **श्री मागन्ती सुब्रहमन्यम**
   अध्यक्ष,
   कृष्ण मण्डल वेद विद्वत प्रवर्धक सभा
   40-12-8/2, बृन्दावन कॉलोनी,
   वेंकटेश्वरपुरम्, विजयवाड़ा - 520 010 (आ.प्र.)

6. **प्रो. रूप किशोर शास्त्री** — **सचिव**
   सचिव,
   महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
   प्राधिकरण भवन, भरतपुरी,
   उज्जैन - 456010 (मध्यप्रदेश)

अनुबंध – 4 (ङ)

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

वर्ष 2010 - 2011 के दौरान वेद पाठशालाओं/विद्यालयों को जारी अनुदान को दर्शाने वाला विवरण

क्र.सं.	पाठशाला/विद्यालय/संस्था का नाम जिन्हें अनुदान दिया गया	वेद तथा शाखा	प्रयोजन	राशि
	आन्ध्रप्रदेश –			रु. 28,42,000/-
1.	सचिव, वेद परिषद्, पट्टाभिपुरम् 3-25-13A, रविन्द्र नगर गुन्टूर (आन्ध्रप्रदेश)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक को मानदेय, 16 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 4,89,600/-
2.	सचिव, सर्वार्या एजूकेशनल ट्रस्ट कपिलईश्वरपुरम जमिन्द्र का मकान गांधीनगर, काकीनाड़ा (आन्ध्रप्रदेश)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा) कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय अध्यापक को मानदेय, तथा 16 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 4,63,500/-
3.	अध्यक्ष, वेदवेदान्त गुरुकुल महाविद्यालय ग्राम माडिपाडु, आचमपेट मंडल, गुन्टूर (आन्ध्रप्रदेश)	सामवेद (कौथुम व जैमिनि शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा) कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा एवं माध्यन्दिन शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक को मानदेय तथा 27 छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 6,62,100/-

4.	सचिव, श्री शंकर गुरुकुल वेदपाठशाला 18-261, मल्लिकार्जुन नगर, मल्काजगिरी, हैदराबाद (आन्ध्रप्रदेश)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा)	4 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 51 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 12 26,800/-
गुजरात -				
				रु. 18,14,000/-
5.	भारतीय चतुर्धाम वेदभवन न्यास, द्वारका जिला जामनगर (गुजरात)	अथर्ववेद (शौनक शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	5 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक तथा 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 25 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 9,17,100/-
6.	श्री शारदापीठ विद्यासभा श्री शंकराचार्य अभिनव सच्चिदानंद तीर्थ वेद विद्यालय द्वारका जिला जामनगर (गुजरात)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 37 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 8,96,900/-
कर्नाटक -				
				रु. 34,69,975/-
7.	सचिव, विद्यारण्य विद्यापीठ ट्रस्ट सन्दूर रोड, बेलरी जिला होसपेट (कर्नाटक)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 28 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 5,94,725/-
8.	सचिव, मणिगिरि वेलफेयर ट्रस्ट श्री माणिक प्रभु वेद पाठशाला, माणिक नगर, जि. बीदर (कर्नाटक)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा) शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	9 वेद अध्यापकों, 2 संस्कृत अध्यापक एवं 3 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय तथा 82 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 22,31,200/-

9.	प्राचार्य, श्री वेदमाता वेद संस्कृत गुरुकुल पाठशाला, श्री रंगपट्टन जिला मांडे (कर्नाटक)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 28 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 8,44,257/-
केरल –				रु. 30,29,125/-
10.	सचिव, कामकोटि यजुर्वेद पाठशाला ब्रह्मस्वम् मठम्, इरिंजालकुड़ा, त्रिचूर (केरल)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 2,86,050/-
11.	सचिव, तंत्र विद्यापीठम्, यू.सी. कॉलेज, पो.आ. अलवाय (केरल)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 तंत्र अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 33 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 7,11,000/-
12.	सचिव, वेद रक्षण समिति, रामनाथपुरम्, अग्रहारम पलक्कड पालघाट (केरल)	ऋग्वेद (शाकल शाखा) कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	4 वेद अध्यापकों एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 33 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 8,08,225/-
13.	सचिव, वाडक्के मधम ब्रह्मस्वम एम.जी. रोड, त्रिसूर 680 001 (केरल)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक को मानदेय तथा 21 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 4,89,600/-

14.	वेद शास्त्र विद्या ट्रस्ट, सम्पूर्णम्, 14-अन्नारी स्ट्रीट रामनगर, कोयम्बटूर (केरल)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा)	3 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक तथा 1 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय तथा 30 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 7,34,250/-
	महाराष्ट्र –			**रु. 28,81,349/-**
15.	श्री संत ज्ञानेश्वर वेदविद्या प्रतिष्ठान एन-9, एल-77/1, शिवाजी नगर, सिडको, औरंगाबाद (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक तथा 1 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय तथा 32 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 8,32,500/-
16.	वेदाचार्य पैसास गुरुजी वेदपाठशाला वेदभवन, पुणे-पौड रस्ता, कोथरुड पुणे (महाराष्ट्र)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक तथा 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 5 छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 3,02,049/-
17.	सच्चिदानन्द वेद स्वाध्याय प्रतिष्ठान पोस्ट - ध.टाकली, तहसील पूर्णा परभणी (महाराष्ट्र)	ऋग्वेद (शाकल शाखा) सामवेद (राणायनीय शाखा) शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 2 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय तथा 23 छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 6,67,700/-
18.	श्री स्वामी अखण्डानन्द वेदवेदान्त संस्कृत महाविद्यालय, श्री कैलाश मठ, पेठ रोड, पंचवटी, नासिक (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	4 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय, तथा 49 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 10,79,100/-

मध्यप्रदेश -				**रु. [illegible]/-**
19.	आ. वाचस्पति शुक्ल संस्कृत वेदपाठशाला श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर, आवन, तहसील राधौगढ़, गुना (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	5 वेद अध्यापकों, 2 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय, तथा 64 छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. [illegible]
20.	गंगाधर वेदविद्या पाठशाला समिति 28, विद्यानगर, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 23 छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 6,11,657/-
21.	नाभिमण्डल वेदविद्या परमार्थिक न्यास A-6/2, ऋषिनगर, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	2 वेद अध्यापकों को मानदेय	रु. 1,02,000/-
उड़ीसा -				**रु. 50,89,370/-**
22.	सचिव, भारतीय चतुर्धाम वेदभवन न्यास, पुरी (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय तथा 27 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 5,94,800/-
23.	श्री गरुड़ध्वज वासुदेव याज्ञवल्क्य वेद पाठशाला, जीयरस्वामी मठ, बाळीसाहि पुरी (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व तथा माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	6 वेद अध्यापकों, 2 संस्कृत अध्यापकों एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय तथा 77 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 17,90,870/-

24.	श्री रामनन्दाचार्य काण्व वेद पाठशाला बलराम कोठ मठ, पुरी (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 25 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 7,29,000/-
25.	वेद पाठशाला, ब्रह्मपुर डायमंड टंक रोड, ब्रह्मपुर, गंजाम (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) अथर्ववेद (पैप्पलाद शाखा)	5 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय तथा 45 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 13,26,700/-
26.	श्री गुरुकुल वेदपाठशाला चरकनगर, लोकनाथ घाट, पुरी (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय अध्यापक को मानदेय, तथा 24 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 6,48,000/-
<u>राजस्थान -</u>				**रु. 1,11,52,517/-**
27.	श्री बलराम वेद पाठशाला, श्री बाबाजी की कुई, बलराम आश्रम ट्रस्ट, श्री बलराम नगर, आगरा रोड, बस्सी जिला जयपुर (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय अध्यापकों को मानदेय तथा 44 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 9,75,800/-
28.	श्री जानकीनाथ वेद विद्यालय रेवासा, सीकर (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 27 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 7,25,400/-

29.	श्री मुनिकुल ब्रह्मचर्याश्रम वेद संस्थान बरुंदनी, भीलवाड़ा (राजस्थान)	ऋग्वेद (शाकल शाखा) शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन एवं काण्व शाखा) अथर्ववेद (शौनक, पैप्पलाद शाखा) सामवेद (राणायनीय, कौथुम शाखा)	14 वेद अध्यापकों, 4 संस्कृत अध्यापकों एवं 3 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय, तथा 185 छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 45,43,[illegible]
30.	श्री वीर हनुमान ऋषिकुल वेदविद्यालय समोद पर्वत, नांगल भरड़ा जयपुर (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	2 वेद अध्यापकों व 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 38 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 7,67,600/-
31.	श्री महादेव शिशु गुञ्जन वेद संस्थान चित्तौड़गढ़ रोड, बेगू, जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	4 वेद अध्यापकों, 2 संस्कृत अध्यापकों एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय, तथा 73 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 13,78,773/-
32.	गुरु शिखर वेद विद्यालय लिमड़ी हाऊस, पो. माउण्ट आबू (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (राणायनीय एवं कौथुम शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	9 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय, तथा 121 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 25,22,550/-
33.	श्री जगद्गुरु रामानन्दाचार्य वेद विद्यालय त्रिवेणी धाम, शाहपुरा जिला जयपुर (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय, तथा 33 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 7,36,513/-

तमिलनाडु -

				रु. 64,71,656/-
34.	राजा वेद काव्य पाठशाला श्री गोविन्द दीक्षित घाटिकास्थानम् 29-30, ईस्ट अयान स्ट्रीट, 4 मंजिल कुम्भकोणम् (तमिलनाडु)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीयशाखा) शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	13 वेद अध्यापकों, 3 संस्कृत अध्यापकों एवं 3 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय, तथा 129 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 35,44,256/-
35.	श्री शिवराम ट्रस्ट पुराना नं. 26 , नया नं. 10 रामनाथन स्ट्रीट, टी. नगर चेन्नई (तमिलनाडु)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा) शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 16 छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 4,38,200/-
36.	कलवाई गुरुपरम्परा वेदविद्या ट्रस्ट 50, नगराथिनम कॉलोनी, सुलिवन गार्डन स्ट्रीट, मैलापुर चेन्नई (तमिलनाडु)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) ऋग्वेद सामवेद (कौथुम शाखा)	4 वेद अध्यापकों को मानदेय तथा 35 छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 8,41,800/-
37.	श्री शुक्ल यजुर्वेद शास्त्र धर्म पाठशाला 3, राजा स्ट्रीट, कांचीपुरम् (तमिलनाडु)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक को मानदेय तथा 17 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 5,02,750/-
38.	श्री अभिनव विद्यातीर्थ भारती वेद पाठशाला (पी.ए.सी.आर. सेतुम्मल चैरेटी ट्रस्ट) दक्षिण वेंगनानुर रोड, राजपलायम (तमिलनाडु)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय अध्यापक को मानदेय, तथा 24 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 7,75,650/-

39.	श्री अहोबिला मठ संस्कृत विद्या अभिवर्द्धिनी सभा 117, के.आर. कोली स्ट्रीट, वेस्ट माम्बालम, कोयम्बटूर (तमिलनाडु)			रु. 3,[illegible]/-
उत्तरप्रदेश -				रु. 1,43,38,481/-
40.	सचिव, आचार्य रमेश गुरुजी वेद पाठशाला ग्राम व पोस्ट कर्णवास, 203393 जिला बुलंद शहर (उत्तर प्रदेश)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	4 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 61 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 13,71,400/-
41.	सचिव, श्री महादेव शुक्ल यजुर्वेद पाठशाला (आचार्य रमेश गुरुजी वेद पाठशाला द्वारा संचालित) वृन्दावन (उत्तर प्रदेश)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	4 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय, तथा 40 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 10,78,150/-
42.	सचिव, भारतीय चतुर्धाम वेदभवन न्यास, 63-ए/3, स्टेनले रोड़, बाली कॉलोनी इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	4 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 43 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 11,57,500/-
43.	सचिव, आचार्य गोपालचन्द्र मिश्र वैदिक उन्नयन संस्थान सी.के. 32/17, ब्रह्मनाल वाराणसी (उत्तर प्रदेश)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (गुर्जर पद्धति) कृष्ण यजुर्वेद सामवेद (गोवर्धनी पद्धति)	5 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय अध्यापक को मानदेय, तथा 46 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 12,48,650/-

44.	सचिव, स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट पोस्ट झूसी, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा)	5 वेद अध्यापकों, 2 आधुनिक विषयों के अध्यापक को मानदेय, तथा 45 वेदछात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 11,60,325/-
45.	सचिव, श्री दूधेश्वर वेदविद्या पीठ श्री दूधेश्वर मंदिर परिसर, गोशाला रोड, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 35 छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिद अनुदान	रु. 6,59,806/-
46.	सचिव, आचार्य पट्टाभिराम शास्त्री वेद मीमांसा अनुसंधान केन्द्र, बी-4/7, हनुमान घाट, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन तथा काण्व शाखा) सामवेद (कौथुम, राणायनीय शाखा) अथर्ववेद (शौनक शाखा) ऋग्वेद (शाकल शाखा) कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	10 वेद अध्यापकों, 2 संस्कृत अध्यापकों एवं 3 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय, तथा 76 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 23,36,550/-
47.	सचिव, जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानन्द सरस्वती न्यास, वेद वेदान्त महाविद्यालय एवं शोध समिति बी-4/41, हनुमान घाट वाराणसी (उत्तर प्रदेश)	ऋग्वेद (शाकल शाखा) शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन, काण्व शाखा) कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा) सामवेद (कौथुम, राणायनीय शाखा) अथर्ववेद (शौनक, पैप्पलाद शाखा)	10 वेद अध्यापकों, 2 संस्कृत अध्यापकों एवं 3 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 151 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 33,59,400/-

48.	सचिव, श्री जयेन्द्र सरस्वती वेद पाठशाला सेठजी का बगीचा, पो. सीतापुर चित्रकूट धाम, चित्रकूट (उत्तर प्रदेश)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) अथर्ववेद (पैप्पलाद शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	7 वेद अध्यापकों, 2 संस्कृत अध्यापकों एवं 3 आधुनिक विषय के अध्यापकों को मानदेय तथा 84 छात्रों की छात्रवृत्ति	रु. [illegible]
पं. बंगाल -				
				रु. 30,03,050/-
49.	श्री श्री सीतारामदास ओंकारनाथ संस्कृत शिक्षा संसद, वैकुण्ठ धाम, 107, साउथर्न एवन्यू, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	6 वेद अध्यापकों, 2 संस्कृत अध्यापकों एवं 2 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय तथा 49 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 14,73,600/-
50.	सतीदेव भाषा शिक्षा निकेतन विश्वकल्याण फाउन्डेशन रानीरचरा चाकीपाड़ा, नवद्वीप (पश्चिम बंगाल)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	2 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषयों के अध्यापक को मानदेय तथा 27 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 6,53,750/-
51.	श्री सीताराम वैदिक महाविद्यालय 7/2, PWD रोड, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा) सामवेद (कौथुम शाखा)	3 वेद अध्यापकों, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 2 आधुनिक विषयों के अध्यापक को मानदेय तथा 40 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 8,75,700/-

कुल अनुदान रु. 5,62,76,865/-

अनुबंध - 4 (ब)

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

वर्ष 2010 - 2011 के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों की वेद पाठशालाओं/विद्यालयों को जारी अनुदान को दर्शाने वाला विवरण

क्र.सं.	पाठशाला/विद्यालय/संस्था का नाम जिन्हें अनुदान दिया गया	वेद तथा शाखा	प्रयोजन	राशि
असम -				
				रु. 4,20,900/-
1.	सचिव, असम वेद विद्यालय वेदपुरम्, रुपनगर, गुवाहाटी (असम)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय एवं 21 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 4,20,900/-
त्रिपुरा -				
				रु. 2,57,367/-
2.	त्रिपुरा राज्य वेदविद्या प्रसारण समिति वेदश्री, रुपनगर, पो. आ. रामनगर अगरतला (त्रिपुरा)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	2 वेद अध्यापक, 1 संस्कृत अध्यापक एवं 1 आधुनिक विषय के अध्यापक को मानदेय, तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति तथा आकस्मिक अनुदान	रु. 2,57,367/-

कुल अनुदान रु. 6,78,267/-

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

वर्ष 2010 - 2011 के दौरान वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना के अन्तर्गत विभिन्न यूनिटों को जारी अनुदान को दर्शाने वाला विवरण

क्र.सं.	पाठशाला अथवा स्वाध्यायी अध्यापकों का नाम जिन्हें अनुदान दिया गया	वेद तथा शाखा	प्रयोजन	राशि
	अन्ध्रप्रदेश -			**रु. 9,67,500/-**
1.	श्री के. हनुमन्त शास्त्री मंत्रला सांग वेद पाठशाला श्री कांची कामकोटी शंकराचार्य मठ गोडुगुपेट, मछलीपट्टम (आ. प्र.)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 93,000/-
2.	श्री जी.एस.आर. घनपाठी डी.नं. 12-11-87, दात्रेय वेद निलयम, अव्यपुर्म, राजमुन्दरी 533104 (आ. प्र.)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 90,000/-
3.	श्री एस.आर.एन. दीक्षित शर्मा इनसाईड कॉटन मिल, पिलामारी रोड, महबूबनगर 509 002 (आ.प्र.)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,26,000/-

4.	पं. श्री प्रमीलकुमार बेहरा गुरु मदनान्द सरस्वती पीठम् रामपुर, थुंगूट, कन्दापक मंडल जिला मेढक (आ.प्र.)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,24,500/-
5.	पं. श्री टी.व्ही.एस राघवेन्द्र शर्मा श्री गणपति सच्चिदानंद वेद पाठशाला श्री पदवल्लभ अन्नदाता क्षेत्रम्, श्री दत्त नगर, अग्रहम, पीठापुरम् जिला ई.जी. 533 450 (आ.प्र.)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 51,000/-
6.	श्री के.व्ही.एन. कौंडिन्य अवधानी द्वारा - श्री भ्रामरी र्द्रे प्रकाशक विजिया शंकर वेद समर्थ पाठशाला ट्रस्ट, मकान नं. 1-23-13/23, भूदेवीनगर, वेंकटपुरम सिकन्दराबाद (आ.प्र.)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,26,000/-
7.	श्री के.व्ही.एस.एस रामा अवधानी 12-18-17, आर्यपुरम्, राजमुन्दरी (आ.प्र.)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 96,000/-
8.	श्री रघुनाथ नारायण कल्ले कर [illegible] वेद पाठशाला कवि... [illegible], व्हया ब्राह्मण-तराला जिला श्रीकाकुलम 532 220 (आ.प्र.)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 96,000/-
9.	श्री संतोषकुमार तिवारी श्री जगन्नाथ मठ गुरुकुल 12-1-482, जगन्नाथ मठ, माधवदास इरि सीतारामबाग के पीछे, हैदराबाद 500 066 (आ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 3 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 95,000/-

10.	श्री दीपेन्द्रकुमार द्विवेदी श्री जगन्नाथ मठ गुरुकुल 12-1-482, जगन्नाथ मठ, माधवदास झीरा सीतारामबाग के पीछे, हैदराबाद 500 066 (आ.प्र.)	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. [illegible]
बिहार -				
				रु. 19,04,285/-
11.	श्री रामकृष्ण मिश्र शुभकरण त्रिवेदी कानोडिया वेद विद्यापीठम् पुराना बाजार, लखीसराय (बिहार)	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,53,000/-
12.	श्री जानकीनन्दन झा ऋषिकुल वेद पाठशाला, उमरी ग्राम व पोस्ट उमरी, झंझारपुर जिला मधुबनी 874 703 (बिहार)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 45,000/-
13.	श्री जयप्रकाश द्विवेदी द्वारा प्राचार्य, श्यामाचरण विद्यापीठ ब्रह्मचर्याश्रम, गुरुधाम बौंसी, बाँका - 813 104 (बिहार)	सामवेद (कौथुमी शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,08,000/-
14.	श्री रिकेन्द्र पाण्डेय द्वारा प्राचार्य, श्यामाचरण विद्यापीठ ब्रह्मचर्याश्रम, गुरुधाम बौंसी, बाँका - 813 104 (बिहार)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,00,786/-

15.	श्री सुधीरदत्त पाराशर द्वारा आर्षविद्या शिक्षण प्रशिक्षण सेवा संस्थान महर्षि नगर, छोटा बरियारपुर, मोतीहारी, पूर्वी चम्पारण (बिहार)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,62,000/-
16.	श्री सुधाकर पाण्डेय द्वारा आर्षविद्या शिक्षण प्रशिक्षण सेवा संस्थान महर्षि नगर, छोटा बरियारपुर, मोतीहारी, पूर्वी चम्पारण (बिहार)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,25,500/-
17.	श्री सुशीलकुमार पाण्डेय द्वारा आर्षविद्या शिक्षण प्रशिक्षण सेवा संस्थान महर्षि नगर, छोटा बरियारपुर, मोतीहारी, पूर्वी चम्पारण (बिहार)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,41,000/-
18.	श्री राजनकुमार पाण्डेय द्वारा आर्षविद्या शिक्षण प्रशिक्षण सेवा संस्थान महर्षि नगर, छोटा बरियारपुर, मोतीहारी, पूर्वी चम्पारण (बिहार)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,14,000/-
19.	श्री विकासकुमार पाण्डे द्वारा आर्षविद्या शिक्षण प्रशिक्षण सेवा संस्थान महर्षि नगर, छोटा बरियारपुर, मोतीहारी, पूर्वी चम्पारण (बिहार)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,07,500/-

20.	श्री कुन्दनकुमार पाठक द्वारा आर्षविद्या शिक्षण प्रशिक्षण सेवा संस्थान महर्षि नगर, छोटा बरियारपुर, गोशीहारी, पूर्वी चम्पारण (बिहार)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,15,500/-
21.	श्री अजीतकुमार तिवारी द्वारा सन्त पशुपतिनाथ वैदिक संस्थान कैलाश भवन, पुनाईचक, पटना 800 023 (बिहार)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,39,000/-
22.	श्री अक्षय तिवारी द्वारा सन्त पशुपतिनाथ वैदिक संस्थान कैलाश भवन, पुनाईचक, पटना 800 023 (बिहार)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,04,500/-
23.	श्री हरप्रसाद झा द्वारा सन्त पशुपतिनाथ वैदिक संस्थान कैलाश भवन, पुनाईचक, पटना 800 023 (बिहार)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,16,500/-
24.	श्री अभिषेककुमार ओझा द्वारा - हरिहर प्राच्य विद्या संस्थान गोपाल आयुर्वेद भवन कैम्पस, बरौनी, बेगूसराय - 851 112 (बिहार)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 4 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 38,000/-

25.	श्री राधेश्याम झा ऋषिकुल वेद पाठशाला, उमरी ग्राम व पोस्ट उमरी, झंझारपुर जिला मधुबनी 874 703 (बिहार)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,14 000/-
26.	श्री अमोलानन्द तिवारी द्वारा सन्त पशुपतिनाथ वैदिक संस्थान कैलाश भवन, पुनाईचक, पटना 800 023 (बिहार)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,32,000/-
27.	श्री रामचन्द्र भट्टराई द्वारा हरिहर प्राच्य विद्या संस्थान गोपाल आयुर्वेद भवन कैम्पस, बरौनी, बेगूसराय - 851 112 (बिहार)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 88 000/-
				रु. 8,05,500/-
दिल्ली -				
28.	श्री रमेश रेग्मी श्री निवास सेवार्थ न्यास, खसरा नं. 174, रामानुज मार्ग, इब्राहिमपुर, दिल्ली 36	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 68,000/-
29.	श्री सूर्यनारायण त्रिपाठी श्री निवास सेवार्थ न्यास, खसरा नं. 174, रामानुज मार्ग, इब्राहिमपुर, दिल्ली 36	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 96,000/-
30.	श्री निवास पैन्यूली श्री निवास सेवार्थ न्यास, खसरा नं. 174, रामानुज मार्ग, इब्राहिमपुर, दिल्ली 36	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 99,000/-

31.	श्री महेशकुमार तिवारी श्री सांगोपांग वेद विद्यापीठ, आर्ष गुरुकुल, टटेसर, जौन्ती, दिल्ली 81	सामवेद (कौथुमी शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,32,000/-
32.	श्री हनुमतप्रसाद नौटियाल श्री सांगोपांग वेद विद्यापीठ, आर्ष गुरुकुल, टटेसर, जौन्ती, दिल्ली 81	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 99,000/-
33.	श्री कौशल किशोर पाण्डेय श्री सांगोपांग वेद विद्यापीठ, आर्ष गुरुकुल, टटेसर, जौन्ती, दिल्ली 81	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 25,500/-
34.	श्री रामावतार शर्मा द्वारा वेदाचार्य श्री रामजीलाल पालीवाल सांगवेद विद्यालय, 46, संगम विहार, नजफगढ़ , नई दिल्ली	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 16 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,56,000/-
35.	श्री इन्द्रेशकुमार शुक्ल द्वारा वेदाचार्य श्री रामजीलाल पालीवाल सांगवेद विद्यालय, 46, संगम विहार, नजफगढ़ , नई दिल्ली	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 36,000/-
36.	श्री दिलीप खनाल द्वारा वेदाचार्य श्री रामजीलाल पालीवाल सांगवेद विद्यालय, 46, संगम विहार, नजफगढ़ , नई दिल्ली	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,08,000/-

हरियाणा -				**रु. 1,50,000/-**
37.	श्री ओमप्रकाश शर्मा द्वारा - स्वामी श्री सुदर्शनाचार्य संस्कृत वेदविद्यालय श्रीसिद्धदाता आश्रम, बड़खल, सूरजकुण्ड मार्ग, फरीदाबाद - 121003 (हरियाणा)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,05,000/-
38.	श्री पवन दुबे द्वारा - श्री गुरुशंकर गिरी वेद वेदाङ्ग गुरुकुलम् हरिगिरि मठ, बाड़ी, मुहल्ला - भिवानी (हरियाणा)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 45,000/-
झारखण्ड -				**रु. 1,15,500/-**
39.	श्री अशोक कुमार मिश्र अथर्व वेद पाठशाला, गुहियापाल, बहरा रोड़, पूर्वी सिंहभूम - 830 101 (झारखण्ड)	अथर्ववेद (पैप्पलाद शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,15,500/-
कर्नाटक -				**रु. 4,69,500/-**
40.	श्री हरि वीरभद्र शर्मा घनपाठी श्री वेंकटलक्ष्मी निलायम 170, ऊटी रोड , गुन्डूराव नगर, मैसूर 570 025 (कर्नाटक)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,12,500/-
41.	श्री गोविन्द कुलकर्णी श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम पोस्ट मंत्रपुर, हरिहर जिला दावणगेरे 577 602 (कर्नाटक)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 93,000/-

42.	पं. श्री एम. सत्यनारायण भट्ट श्री गणपति सच्चिदानंद आश्रम दत्त नगर, ऊटी रोड, मैसूर 570 025 (कर्नाटक)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. [illegible]
43.	पं. श्री एच. एन. राजेश शास्त्री श्री गणपति सच्चिदानंद आश्रम दत्त नगर, ऊटी रोड, मैसूर 570 025 (कर्नाटक)	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 4 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 81,000/-
44.	पं. श्री टी. रामबाबू वशिष्ठ वेद विद्या गुरुकुलम ट्रस्ट हेडीजीबल कैम्प, कोबाला पोस्ट, सिंधानूर, रायचूर 584 128 (कर्नाटक)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 90,000/-
	महाराष्ट्र -			**रु. 37,69,000/-**
45.	श्री निलेश बसंत केदार अम्बादास जोशी वेद अध्ययन ज्ञानपीठ, विट्ठल मन्दिर के पास, मु.पो. माहुर, जिला नांदेड़ (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 90,000/-
46.	श्री यशवन्त भास्कर पैठणे कल्पतरु वेदपाठशाला, म.नं. 20/29, भास्कर धान्दवे गणपति मार्ग, सोमवार पैठ, नासिक (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,50,000/-

47.	श्री महेश चन्द्रकान्त रेखे गोपाल, मु.पो. आलन्दी, देवाची तहसील जिला पुणे (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 93,000/-
48.	श्री मधुर गोपालराव जोशी श्री गंगागोदावरी मंदिर याज्ञवल्क्य वेद पाठशाला, त्र्यम्बकेश्वर, नासिक (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 42,000/-
49.	श्री मोहिनीराज भानोसे 3/12, गणराज संकुल सोसायटी, पंचवटी कारंजा, नासिक (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्र को छात्रवृत्ति	रु. 1,16,000/-
50.	श्री ललितादास अनन्तराव दंडे द्वारा - चिन्मयमूर्ति वेद पाठशाला एन.जी.एन., 101/1, श्रीकृष्णनगर, औरंगाबाद (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,11,000/-
51.	श्री देशिक नारायण कस्तूरे चतुरेश्वर धाम, सावरगांव (संगमेश्वर) ता. परतूर, जलना (महाराष्ट्र)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 88,000/-
52.	श्री नरहरि पदमाकर जोशी श्री सद्गुरु ओंकारनाथ वेदविद्यालय, 251, आरोग्य नगर, संत तुकाराम महाविद्यालय जवळ बसमत रोड, परभणी (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 98,000/-

53.	श्री पाद शिवराम धायगुडे वेदशास्त्र विद्यालय, 1481/ शुक्रवार, पेठ मंडई रास्ता, पुणे (महाराष्ट्र)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,26,000/-
54.	श्री हनुमन्त गणपत जोशी श्री योगीराज वेद विज्ञान आश्रम, कासावाड़ी, पो ता. बार्शी, सोलापुर (महाराष्ट्र)	अथर्ववेद (पैप्लाद शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,11,500/-
55.	श्री पाद कालिदास भोपी लोकमान्य तिलक चौक, राम मन्दिर के पास, पोस्ट ओढ़ा नागनाथ, हिंगोली (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 99,000/-
56.	श्री गोविन्द पाण्डुरंग जोशी श्री ओमकारनाथ वेद एवं संस्कृत पाठशाला कारला पोस्ट - धनराल, तह. पूसद जिला यवतमाल (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 3 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 32,500/-
57.	श्री पाण्डुरंगजी केशवराव जोशी श्री ओमकारनाथ वेद एवं संस्कृत पाठशाला कारला पोस्ट - धनराल, तह. पूसद जिला यवतमाल (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 95,500/-
58.	श्री विश्वनाथ केशव जोशी आध्यात्मिक प्रतिष्ठान, गोपालपुरा, आलन्दी, देवाची, तह. खेड, पुणे (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,14,000/-

59.	श्री कृष्णमधुकर पलस्कर समर्थ वेद विद्यालय, ता. पाथरी, परभणी (महाराष्ट्र)	सामवेद (राणायणीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 92,000/-
60.	श्री दिनकर सुधाकर जोशी समर्थ वेद विद्यालय, ता. पाथरी, परभणी (महाराष्ट्र)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 74,000/-
61.	श्री विजयकुमार पटजोशी समर्थ वेद विद्यालय, ता. पाथरी, परभणी (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,14,000/-
62.	श्री भास्कर सुनीलराव जोशी समर्थ वेद विद्यालय, ता. पाथरी, परभणी (महाराष्ट्र)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 97,000/-
63.	श्री देवेन्द्र रामचन्द्र गढ़ीकर श्री वे.के. जोशी, पोपट दामड़े चाल, कृष्णा एजेंसी के पीछे, देहफाटा, आलन्दी, पुणे (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 93,000/-
64.	श्री गजानन उत्तमीराव जोशी महर्षि याज्ञवल्क्य संस्कृत विद्या प्रतिष्ठान, गंगाखेर, परभणी (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,26,000/-
65.	श्री अरुण हनुमन्त राव भिंसेगांवकर महर्षि याज्ञवल्क्य संस्कृत विद्या प्रतिष्ठान, गंगाखेर, परभणी (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,14,000/-
66.	श्री धीरज धनंजयराव देशमुख महर्षि याज्ञवल्क्य संस्कृत विद्या प्रतिष्ठान, गंगाखेर, परभणी (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,18,000/-

67.	श्री अनिकेत बालकृष्ण पाठक महर्षि याज्ञवल्क्य संस्कृत विद्या प्रतिष्ठान, पंगाखेर, परभणी (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 60,000/-
68.	श्री भगवान त्र्यम्बकराव जोशी सद्गुरु वेद विद्यालय, आलन्दी, पुणे (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,08,000/-
69.	श्री गोपाल जोशी सद्गुरु वेद विद्यालय, आलन्दी, पुणे (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,26,000/-
70.	श्री गुरुप्रसाद विनायक पुजारी वेद शास्त्र विद्या संस्कृत मण्डल, कराड (महाराष्ट्र)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 79,000/-
71.	श्री शांताराम भावोरी श्री वैदिक ज्ञान विज्ञान विद्यालय, 3/12, गणराज सं.सा., पंचवटी, नासिक (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,18,000/-
72.	श्री दिनेशराजचन्द्र पाथधनी श्री वैदिक ज्ञान विज्ञान विद्यालय, 3/12, गणराज सं.सा., पंचवटी, नासिक (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,27,000/-
73.	श्री दुर्गादास शिवाजी अंबुलगोलकर 148, शुक्रवारपेठ, शनिवार मंडई रोड, पुणे जिला जलगांव (महाराष्ट्र)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,02,000/-

74.	श्री विष्णुप्रसाद गौतम द्वारा जनकल्याण सेवाश्रम सर्वे 110/ई, प्लाट नं. सी 10, एण्ड कोलके विलेज, मंडवई पुणे रोड, पानवेल (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,38,000/-
75.	श्री चैतन्य नारायण काले श्री योगीराज वेद विज्ञान आश्रम, कासाबाड़ी, पो.ता. वार्षी, सोलापुर (महाराष्ट्र)	सामवेद (शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 67,000/-
76.	श्री मनोज बालाजी जोशी द्वारा याज्ञवल्क्य काण्व वेद पाठशाला रामराव पंवार मार्ग, श्रीनगर, नांदेड़ जिला परभणी (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,05,000/-
77.	श्री लक्ष्मीकान्त गोविन्द जोशी चतुरेश्वर धाम, पो. पिंपली वाया धामणगांव तह. परतूर जिला जालना (महाराष्ट्र)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 52,500/-
78.	श्री रोहित रमेश रवकवले यज्ञेश्वर कृपा गणपति गली मुकाम पोस्ट, तह. गीतूर जिला परभणी (महाराष्ट्र)	सामवेद (राणायनीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 52,500/-
79.	श्री राधाकान्त श्रीराम जोशी द्वारा - हनुमान वेदविद्यालय मुकाम रामपुरी, 12, हनुमन्त मानवत, जिला परभणी (महाराष्ट्र)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 45,000/-

80.	श्री गणेश कल्याणराव कुलकर्णी मुकाम पोस्ट जानेगांव, तह गेवराई जिला बीड़ (महाराष्ट्र)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 45,000/-
81.	श्री महेश गंगाधर राव जोशी द्वारा - श्री रामेश्वर वेद विद्यालय रामसखा आश्रम, मुकाम पोस्ट सौताड़ा तह. पातौदा जिला बीड़ (महाराष्ट्र)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 93,500/-
82.	श्री शंकर तुकाराम गलगलकर म.नं. 2945, बडेल गल्ली मु.पो. पंढरपुर जिला सोलापुर 413 304 (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 90,000/-
83.	श्री श्यामसुन्दर मधुकर जोशी योगेश्वर याज्ञवल्क्य वेद पाठशाला प्लाट नं. 98, गुरुदत्त नगर, गारखेड़ा परिसर औरंगाबाद - 431 005 (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 42,500/-
84.	श्री मुकेश माधवराव दण्डवते श्री सद्गुरु नित्यानन्द महाराज वेद विद्यालय आलन्दी जिला पुणे (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 66,500/-
85.	श्री राम विनायक धामोरकर श्री सद्गुरु शैक्षणिक व सांस्कृतिक प्रतिष्ठान साईबाबा मन्दिर, सुन्दरवाडी, जालना रोड जिला औरंगाबाद (महाराष्ट्र)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 37,500/-

86.	श्री देशमुख सूरज घनंजयराव श्री याज्ञवल्क्य संस्कृत विद्या प्रतिष्ठान, यज्ञभूमि, गंगाखेड़ा, परभणी (महाराष्ट्र)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 37,500/-
मध्यप्रदेश -				**रु. 19,69,500/-**
87.	श्री कैलाशचन्द्र आमेटा द्वारा गुरुदत्त अखाड़ा, क्षिप्रातट, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,05,000/-
88.	श्री सुरेशकुमार तिवारी द्वारा - ब्रह्मर्षि श्री मौनीबाबा वेदविद्यालय, मौन तीर्थ गंगाघाट, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 15 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,50,000/-
89.	श्री पतंजलिकुमार पांडेय द्वारा - ब्रह्मर्षि श्री मौनीबाबा वेदविद्यालय, मौन तीर्थ, गंगाघाट, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 15 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,50,000/-
90.	श्री अधीश द्विवेदी द्वारा - ब्रह्मर्षि श्री मौनीबाबा वेदविद्यालय, मौन तीर्थ, गंगाघाट, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,32,000/-
91.	श्री ईश्वरलाल शर्मा द्वारा - ब्रह्मर्षि श्री मौनीबाबा वेदविद्यालय, मौन तीर्थ, गंगाघाट, उज्जैन (म.प्र.)	सामवेद (राणायनीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा छात्रों को शुक्ल यजुर्वेद माध्यान्दिन शाखा में सम्बन्धित स्थान की इकाई में परिवर्तित किया गया।	रु. 15,000/-

XXXX

92.	श्री गौरवचन्द्र जोशी द्वारा नायक मानव कल्याण सेवा, 14/7, संतोष भवन, ज्योति नर्सिंग होम के सामने, अशोक नगर, फ्रीगंज, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 94,000/-
93.	श्री जयनारायण शर्मा द्वारा - रामानुज वेदविद्यालय ट्रस्ट मूर्ति, रामघाट, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,35,000/-
94.	श्री चन्दनदास वैष्णव द्वारा श्री महर्षि गुरुकुल संस्कृत विद्यापीठ ए-11/4, बसन्त विहार, इन्दौर रोड, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 90,000/-
95.	श्री दीपक शर्मा द्वारा माँ बाघेश्वरी पद्माकर वैदिक संस्कृत विद्यालय, नृसिंह घाट, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 96,000/-
96.	श्री महेश रावल द्वारा श्री ब्रह्मर्षि कण्वविद्याधाम, 84, अभिषेक नगर, इन्दौर रोड, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,10,000/-
97.	श्री बालकृष्ण त्रिवेदी त्रिवेदी भवन, खच्चाराम की गली, लोहा मंडी, ग्वालियर - 2 (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 21 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,82,000/-

98.	श्री धीरेन्द्रप्रसाद द्विवेदी द्वारा - श्री गरुड़ध्वज वैदिक शिक्षा समिति, श्री रंगनाथ मंदिर, रंगनाथ मार्ग, रंगनाथ नगर कटनी 483 501 (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,38,000/-
99.	श्री सन्दीपकुमार पाण्डेय द्वारा - श्री गरुड़ध्वज वैदिक शिक्षा समिति, श्री रंगनाथ मंदिर, रंगनाथ मार्ग, रंगनाथ नगर कटनी 483 501 (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,24,500/-
100.	श्री गोविन्दप्रसाद तिवारी द्वारा - श्री विश्वनाथ वेदविद्यालय भण्डावद तह. जीरापुर जिला राजगढ़ (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,08,000/-
101.	श्री रोहितकुमार मिश्र महर्षि कण्व विद्याधाम 84, अभिषेक नगर, इन्दौर रोड़, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 22,000/-
102.	श्री निशान्त शर्मा श्री सिद्ध विनायक संस्कृत वेद पाठशाला 14/7, संतोष भवन, अशोक नगर, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 91,000/-
103.	श्री लोकेन्द्र शर्मा श्री महामंगल परशुराम वेदविद्या प्रतिष्ठान गोपाल धाम, अंकपात मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 18 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,28,000/-

104.	श्री राकेश शर्मा श्री महामंगल परशुराम वेदविद्या प्रतिष्ठान गोपाल धाम, अंकपात मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. [illegible]
105.	श्री मोहनलाल शर्मा अखण्ड आश्रम वेद विद्यालय चारधाम मन्दिर, उज्जैन (म.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 63,000/-
उड़ीसा -				**रु. 19,08,500/-**
106.	श्री शशांक शेखर उपाध्याय कांची कामकोटि मठ, स्वर्ग द्वार पुरी 752 001 (उड़ीसा)	अथर्ववेद (पैप्पलाद शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,02,000/-
107.	श्री सुरेन्द्रकुमार दाश मुक्तिमंडप पंडित सभा, श्री जगन्नाथ मंदिर, पुरी 752 001 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,10,500/-
108.	श्री रामचन्द्र होता मुक्तिमंडप पंडित सभा, श्री जगन्नाथ मंदिर पुरी 752 001 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 94,500/-
109.	पं. श्री सरोज रंजन पण्डा वेद विद्यालय द्वारा डॉ. गंगाधर पण्डा कुमुटी बगीचा, अबाकास लेन पुरी 752 002 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 19 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,75,000/-

110.	पं. शेषदेव पाणिग्रही वेद विद्यालय, केन्दुझरम् वेद भवनम्, (राजप्रसाद) केन्दुझर बाजार 758 002 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,03,500/-
111.	श्री निराकार द्विवेदी गुरुकुल वेद पाठशाला बिशनपुर, पोस्ट सलानिया, जिला - केन्दुझर (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,21,500/-
112.	श्री कृष्णचन्द्र पाढ़ी श्री गोपाल जेव वेद पाठशाला ग्राम - धारपुर, जिला कटक 754 206 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,05,000/-
113.	श्री निरंजन आचार्य माँ सरला वेद पाठशाला, पोस्ट - मलांडा, व्हाया कनकपुर, जिला जगतसिंहपुर (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 15 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,58,500/-
114.	पं. श्री धर्मेन्द्रकुमार षडंगी श्री रामचन्द्र स्वामी चैरिटेबल ट्रस्ट लोकनाथ रोड, पुरी (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,14,000/-
115.	श्री देवेन्द्र द्विवेदी श्री रामचन्द्र स्वामी चैरिटेबल ट्रस्ट लोकनाथ रोड, पुरी (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 48,000/-

116.	श्री कृपासिन्धु पंडा श्री दिव्य शुक्ल यजुर्वेद काण्व वेद पाठशाला दिव्यसिंगपुर, पोस्ट रायगुरपुर, व्हाया नीराकारपुर पुरी (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,35,000/-
117.	श्री गोपालचन्द्र महापात्र पूर्वामण्य गोवर्धन पाठशाला, श्री व्यास नारायण दास, पुरी (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,40,500/-
118.	श्री श्रीकुमार महापात्र पूर्वामन्य गोवर्धन पाठशाला श्री व्यास नारायण दास, पुरी (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,16,500/-
119.	श्री सूर्यप्रसाद त्रिपाठी श्री लिंगराज वैदिक शिक्षानुष्ठानम् FR-59/7 व 9, शैलश्री विहार, फेज II भुवनेश्वर - 21 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,41,000/-
120.	श्री प्रशान्तकुमार पति वशिष्ठ गुरुकुल पाठशाला तरादा, गंजाम 761 140 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 16,000/-
121.	श्री रतिकान्त पाणिग्रही पण्डित गोपालचन्द्र वेद ज्योति विज्ञान विद्यापीठम् अमृत विहार, पोस्ट - धोबाशिला, व्हाया राजनोलगिरी जनपद बलेश्वर - 756 040 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 56,000/-

122.	श्री संतोषकुमार पण्डा पण्डित गोपालचन्द्र वेद ज्योति विज्ञान विद्यापीठम् अमृत विहार, पोस्ट - धोबाशिला, वाया राजगीलगिरी जनपद बलेश्वर - 756 040 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 59,500/-
123.	श्री विश्वरंजन चैनी श्री रामकृष्ण वेद पाठशाला पापुदिया मठ, पुरी - 752 001 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 57,500/-
124.	श्री तपनकुमार महापात्र श्री दिव्य शुक्ल यजुर्वेद काण्व वेद पाठशाला दिव्यसिंहपुर, पो. राघुरपुर, वाया निराकारपुर जिला पुरी - 19 (उड़ीसा)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 54,000/-
	राजस्थान -			
				रु. 22,23,000/-
125.	श्री महेशजी नन्दे द्वारा - श्री ब्रह्मसावित्री वेदविद्यापीठ, पुष्कर न्यास, चामुण्डा माता मंदिर रोड़, सावित्री ढ़ाणी, पुष्कर जिला अजमेर 305022 (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 48,000/-
126.	श्री रामजी जोशी द्वारा - श्री ब्रह्मसावित्री वेदविद्यापीठ, पुष्कर न्यास, चामुण्डा माता मंदिर रोड़, सावित्री ढ़ाणी, पुष्कर जिला अजमेर 305022 (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 16 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,39,500/-

127.	श्री सुरेशचन्द्र शर्मा द्वारा - श्री अक्षपाद गौतम विकास संस्थान एवं वेद विद्यालय, चंदेरिया जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. [illegible]
128.	श्री भैरुलाल जोशी द्वारा - श्री नारायण वेद संस्थान विलोड़ भीलवाड़ा (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 96,000/-
129.	श्री देवकृष्ण जोशी द्वारा - श्रीनाथ वेदविद्यालय बनास नदी मार्ग, ईमली बाजार, नाथद्वारा (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,06,000/-
130.	श्री गोपाल दहाल द्वारा - श्री शिव सनातन वेदविद्यालय श्री सन्यास आश्रम, महावीर सर्किल गंज, अजमेर (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,33,500/-
131.	श्री जगतनारायण गौतम द्वारा - श्री कर्णेश्वर वेद विद्यालय दत्तात्रेय साधना आश्रम, कनवास जिला कोटा (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,38,000/-

132.	श्री द्वारकाप्रसाद दीक्षित द्वारा - श्री कर्णेश्वर वेद विद्यालय दत्तात्रेय साधना आश्रम, कनवास जिला कोटा (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 16 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,62,000/-
133.	श्री विष्णुकुमार शर्मा (गौतम) द्वारा - श्री कर्णेश्वर वेद विद्यालय दत्तात्रेय साधना आश्रम, कनवास जिला कोटा (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,08,000/-
134.	श्री जितेन्द्रकुमार शर्मा द्वारा - श्री कर्णेश्वर वेद विद्यालय दत्तात्रेय साधना आश्रम, कनवास जिला कोटा (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,20,000/-
135.	श्री विनोदकुमार आमेटा द्वारा - श्री कायावर्णेश्वर वेदविद्यापीठ क्यासरा पंचायन समिति, डग जिला झालावाड़ (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 73,000/-
136.	श्री बालमुकुन्द व्यास द्वारा - श्री कायावर्णेश्वर वेदविद्यापीठ क्यासरा पंचायन समिति, डग जिला झालावाड़ (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 28 500/-

137.	श्री महावीरप्रसाद शर्मा द्वारा - श्री भगवद्धर्म संस्कृत वेदविद्यालय छात्राश्रम, जिन्दोली घाटी, अलवर-बहरोड़ मार्ग, अलवर (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. [illegible]/-
138.	श्री सोमदत्त शर्मा द्वारा - श्री भगवद्धर्म संस्कृत वेदविद्यालय छात्राश्रम, जिन्दोली घाटी, अलवर-बहरोड़ मार्ग, अलवर (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 99,000/-
139.	श्री मनोहरलाल शर्मा द्वारा - श्री भगवद्धर्म संस्कृत वेदविद्यालय छात्राश्रम, जिन्दोली घाटी, अलवर-बहरोड़ मार्ग, अलवर (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,08,500/-
140.	श्री विश्रामकुमार शर्मा द्वारा - श्री वेदाश्रम, संस्कृत महाविद्यालय के सामने, गुप्तेश्वर रोड़, दौसा (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,19,000/-
141.	श्री राजकुमार शर्मा द्वारा - श्री वेदाश्रम, संस्कृत महाविद्यालय के सामने, गुप्तेश्वर रोड़, दौसा (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,38,000/-

142.	श्री कृष्णप्रसाद न्यौपाने द्वारा - श्री मधुसूदन वैदिक संस्कृति एवं पर्यावरण संस्थान, श्री मधुसूदन सेवाश्रम, रामकिशन कॉलोनी, काला कुँआ, अलवर (राजस्थान)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 48,000/-
143.	श्री विश्वजीतकर द्वारा - श्री मधुसूदन वैदिक संस्कृति एवं पर्यावरण संस्थान, श्री मधुसूदन सेवाश्रम, रामकिशन कॉलोनी, काला कुँआ, अलवर (राजस्थान)	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 19 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,65,500/-
144.	श्री कुलदीप पुरोहित द्वारा - श्री मधुसूदन वैदिक संस्कृति एवं पर्यावरण संस्थान, श्री मधुसूदन सेवाश्रम, रामकिशन कॉलोनी, काला कुँआ, अलवर (राजस्थान)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 15 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,15,000/-
				रु. 8,24,000/-
तमिलनाडु -				
145.	श्री परिपूर्ण कृपाकर शर्मा सनाधन वेद शास्त्र ऋग्वेद पाठशाला 47-A, कृष्णपुरम, पोस्ट महाराजा नगर, तिरुनरवली 627 011 (तमिलनाडु)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 22 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,76,000/-
146.	श्री रवीन्द्र स्वामीगल श्री रवीन्द्र स्वामीगल अरपानी ट्रस्ट संस्कृत पाठशाला, पाथरकुडी, मानगिरि पोस्ट करईकुडी, शिवगगई 630 307 (तमिलनाडु)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,15,000/-

XXXXX

147.	पं. श्री पी. श्रीधर भट्ट द वेद पाठशाला, जगद्गुरु सरस्वती ट्रस्ट, 109-A, तिरुवेंकट स्वामी रोड (पश्चिम), आर.एस. पुरम, कोयम्बटूर (तमिलनाडु)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,44,000/-
148.	पं. श्री टी.एस. महाबलेश्वर भट्ट द वेद पाठशाला, जगद्गुरु सरस्वती ट्रस्ट, 109-A, तिरुवेंकट स्वामी रोड (पश्चिम), आर.एस. पुरम, कोयम्बटूर (तमिलनाडु)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,29,000/-
149.	श्री राजगोपाल घनपाठीगल नया नं. 476, (पुराना नं. 181), टी.टी.के. रोड, अलवरपेट, चैन्नई 600 018 (तमिलनाडु)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 90,000/-
150.	श्री एस. प्रवीणकुमार श्री देय ट्रस्ट, 60, एम.एम.टी.सी. कॉलोनी, नंगनल्लूर, चैन्नई 600 061 (तमिलनाडु)	कृष्ण यजुर्वेद (तैत्तिरीय शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 40,000/-
151.	श्री बी. सनमुखराज श्री देय ट्रस्ट, 60, एम.एम.टी.सी. कॉलोनी, नंगनल्लूर, चैन्नई 600 061 (तमिलनाडु)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 45,000/-
152.	श्री एस. विजयेन्द्र भारती श्री द्राई विद्या गुरुकुलम् 28/181, ईस्ट उत्तर स्ट्रीट, श्रीरंगम, त्रिची 620 006 (तमिलनाडु)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 42,500/-

153.	श्री वी. सतीश शर्मा श्री ट्राई विद्या गुरुकुलम् 26/181, ईस्ट उत्तर स्ट्रीट, श्रीरंगम, त्रिची 620 006 (तमिलनाडु)	ऋग्वेद (शाकल शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 42 500/-
	उत्तरप्रदेश -			रु. 41,27,500/-
154.	श्री अरुणकुमार तिवारी द्वारा - श्री गरुड़ध्वज वेद पाठशाला श्री गणेशानन्द आश्रम, मु.पो. (नरौली कुटी) धानापुर जिला चन्दौली (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,38,000/-
155.	श्री रमेशकुमार द्विवेदी द्वारा - श्री गरुड़ध्वज वेद पाठशाला श्री गणेशानन्द आश्रम, मु.पो. (नरौली कुटी) धानापुर जिला चन्दौली (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,13,000/-
156.	श्री अम्बरीश उपाध्याय द्वारा - श्री नेत्रपाल गुरुकुल कलियानपुर ग्राम पोस्ट ब्रह्मपुरी (हथलेडी) जनपद एटा 207403 (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,17,000/-
157.	श्री सर्वेशकुमार पाण्डेय द्वारा - श्री विष्णु महादेव वेद पाठशाला नर्वदेश्वरधाम, गौरीशंकर संस्थान, प्रतिष्ठान पुरी, झूंसी (इलाहाबाद) (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,28,000/-

158.	श्री विष्णुप्रसाद पाण्डेय द्वारा - श्री विष्णु महादेव वेद पाठशाला नर्वदेश्वरधाम, फैरीशंकर संस्थान, प्रतिष्ठान पुरी, झूंसी (इलाहाबाद) (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,13,000/-
159.	श्री चन्द्रभानु शर्मा द्वारा श्री बद्रीभगत वेदविद्यालय सेवाधाम आश्रम ग्राम पो. बेहटा, हाजीपुर लोनी गाजियाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,05,000/-
160.	श्री रामकुमार शर्मा द्वारा श्री बद्रीभगत वेदविद्यालय सेवाधाम आश्रम ग्राम पो. बेहटा, हाजीपुर लोनी गाजियाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 98,000/-
161.	श्री लक्ष्मणप्रसाद पंडारी द्वारा श्री बद्रीभगत वेदविद्यालय सेवाधाम आश्रम ग्राम पो. बेहटा, हाजीपुर लोनी गाजियाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 81,000/-
162.	श्री रामनाथ शर्मा द्वारा - श्री भूतेश्वर मन्दिर वेद पाठशाला कर्णवास जिला बुलन्द शहर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 85,000/-
163.	श्री धनेशकुमार तिवारी द्वारा - श्री गरुढ़ध्वज वेद पाठशाला, नैमिषारण्य जिला सीतापुर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,06,000/-

164.	श्री प्रवीणकुमार पाण्डेय द्वारा श्री शुक्ल वेद विद्यापीठ डी. 4/13, मीरघाट, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 90,000/-
165.	श्री सुनीलकुमार शर्मा द्वारा - श्री राम वेद विद्यालय, कारसेवकपुरम्, जानकी घाट, परिक्रमा मार्ग, अयोध्या जिला फैजाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 58.500/-
166.	श्री इन्द्रदेव मिश्र द्वारा - श्री राम वेद विद्यालय, कारसेवकपुरम्, जानकी घाट, परिक्रमा मार्ग, अयोध्या जिला फैजाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 87,500/-
167.	श्री सत्यम शर्मा सेवाधाम आश्रम, ग्राम पोस्ट बेहटा, हाजीपुर लानी, गाजियाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 4 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 84.000/-
168.	श्री विद्यानन्द झा द्वारा - श्री श्रीरामदास काठियाबाबा वेद पाठशाला, बी 3/310, शिवाला, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 99,500/-
169.	श्री पद्मभूषण मिश्र द्वारा - श्री श्रीरामदास काठियाबाबा वेद पाठशाला, बी 3/310, शिवाला, वाराणसी (उ.प्र.)	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 50,500/-

170.	श्री संजयकुमार पाण्डेय द्वारा श्री रामदास काठियाबाबा वेद पाठशाला श्री 3/310 शिवाला, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,05,000/-
171.	श्री योगेशदत्त शर्मा द्वारा - श्री महर्षि वेद व्यास वेदविद्यापीठ डी. 134, महेन्द्रा एन्क्लेव, शास्त्री नगर (सिल्वर साइंस स्कूल के पास) गाजियाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,32,000/-
172.	श्री दिवाकर पाण्डेय द्वारा - श्री गिरिराज वेद विद्यालय 90, श्रीनगर कॉलोनी, रामबाग, आगरा (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 91,500/-
173.	श्री मिथिलेशकुमार पाण्डेय सी.के.32/17 , ब्रह्मनाल, वाराणसी (उ.प्र.)	अथर्ववेद (शौनक शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 95,000/-
174.	श्री हनुमान मिश्र द्वारा - श्री केदारनाथ गोयनका वेद विद्यालय बी. 29-3-1A. श्री परमहंस रामहृदय दास आश्रम, अस्सी, लंका मार्ग, वाराणसी - 5 (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 81,000/-
175.	श्री शेषनाथ तिवारी द्वारा - श्री केदारनाथ गोयनका वेद विद्यालय बी. 29-3-1A, श्री परमहंस रामहृदय दास आश्रम, अस्सी, लंका मार्ग, वाराणसी - 5 (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,02,000/-

176.	श्री आशुतोषकुमार पाण्डेय द्वारा - श्री केदारनाथ गोपनका वेद विद्यालय बी. 29-3-1A, श्री परमहंस रामहृदय दास आश्रम, अस्सी, लंका मार्ग, वाराणसी - 5 (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 60,000/-
177.	श्री दीपककुमार शर्मा द्वारा - श्री विद्यासाधना पीठ, गणेशबाग शिव मदन, नगवा लंका, वाराणसी 221 005 (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,12,000/-
178.	श्री अनिल ज्ञवाली द्वारा - श्री संकटमोचन हनुमानजी मंदिर ट्रस्ट एवं बाबा नीब करौलीजी महाराज आश्रम हनुमान सेतु, विश्वविद्यालय मार्ग, लखनऊ 226007 (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 11 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,27,000/-
179.	श्री गोविन्द शर्मा द्वारा - श्री संकटमोचन हनुमानजी मंदिर ट्रस्ट एवं बाबा नीब करौलीजी महाराज आश्रम हनुमान सेतु, विश्वविद्यालय मार्ग, लखनऊ 226007 (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,35,000/-
180.	श्री अनयमणि त्रिपाठी द्वारा - श्रीनाथ शास्त्री वेद पाठशाला, बी. 1/148 सी-10 के 2अस्सी, वाराणसी 221 005 (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,00,500/-

181.	श्री ब्रह्मानन्द त्रिपाठी द्वारा - श्री उमादत्त त्रिवेदी वेदविद्यापीठ श्रीमती चम्पादेवी वैदिक संस्थान, सेक्टर 6, बी. वृन्दावन, रायबरेली रोड, लखनऊ 226025 (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 52,000/-
182.	श्री शिवराम शर्मा द्वारा - श्री पूर्णानन्द उड़िया बाबा भूतेश्वर सेवा समिति न्यास, श्री नारायण वेदविद्या मंदिर ग्राम व पो. कर्णवास जिला बुलन्द शहर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 14 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,29,000/-
183.	श्री उमेश ओझा देवी पाटेश्वरी वेदपाठशाला, नयाघाट, अयोध्या (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,42,500/-
184.	श्री राजन पाण्डेय द्वारा श्री राम वेद विद्यालय क्रीडागंज, इलाहाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 72,000/-
185.	श्री रंगनाथ त्रिपाठी द्वारा स्वामी नारायणानन्द तीर्थ वेद विद्यालय बी- 1/148, श्री काशी धर्मपीठ, अस्सी, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,20,000/-
186.	श्री ब्रजेशकुमार दीक्षित द्वारा स्वामी नारायणानन्द तीर्थ वेद विद्यालय बी- 1/148, श्री काशी धर्मपीठ, अस्सी, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 12 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 77,000/-

187.	श्री अमितकुमार पाण्डेय द्वारा श्री रामदेव शास्त्र अनुसन्धान एवं संस्कृत शिक्षण/प्रशिक्षण केन्द्र बी-22-422 ए, खोजना, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 90,000/-
188.	श्री पशुपतिनाथ मिश्र द्वारा श्री रामदेव शास्त्र अनुसन्धान एवं संस्कृत शिक्षण/प्रशिक्षण केन्द्र बी-22-422 ए, खोजना, वाराणसी (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 75,500/-
189.	श्री कमलराज उपाध्याय द्वारा रुक्मणी वल्लभ धाम सेवा न्यासि अवन्तिका देवी, पोस्ट आहार, बुलन्द शहर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 21 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,55,000/-
190.	श्री नारायणदत्त मिश्र महर्षि वेद व्यास वेद विद्यालय महेन्द्रा एन्क्लेव, सिल्वर लाईन स्कूल के पास, शास्त्री नगर, गाजियाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,03,000/-
191.	श्री महामायादत्त पाराशर द्वारा माता गायत्री संस्कृत वेद मन्दिर गिर्दबड़गांव (महाराजगंज), मनहर, स.ए.न. भदोही (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 64,000/-

192.	श्री पुरुषोत्तम प्रधान द्वारा श्री सच्चाबाबा गुरुकुल वेद विद्यालय बिठूर, कानपुर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. [illegible]
193.	श्री रामजीप्रसाद मिश्र द्वारा श्री गरुड़ध्वज वेद पाठशाला नैमिषारण्य, जिला सीतापुर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 60,000/-
194.	श्री मणिप्रकाश पाण्डेय द्वारा सुभद्राकुमारी शिशु पाण्डेय स्कूल परिसर बस्ती पुरानी बस्ती (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 5 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 75,000/-
195.	आचार्य पंकज शर्मा द्वारा महर्षि भारद्वाज वेद वेदाङ्ग शिक्षण केन्द्र 21/16, महावीर भवन, हाशिमपुर मार्ग, इलाहाबाद (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 85,000/-
196.	श्री अगस्त्यकुमार द्विवेदी माँ विन्ध्यवासिनी श्रवण वेद पाठशाला बावली चौराहा, विन्ध्याचल, मिर्जापुर (उ.प्र.)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 9 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 66,500/-
	उत्तरांचल -			**रु. 4,18,000/-**
197.	श्री शिवकुमार मालवीय श्री दर्शन महाविद्यालय पोस्ट शिवानन्द नगर, मुनि की रेती, निकट रामझूला ऋषिकेश, जिला टिहरी गढ़वाल 249 137 (उत्तराखण्ड)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 10 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,11,000/-

198.	श्री दिलीपकुमार त्रिपाठी श्री स्वामीनारायण वैदिक ऋषिकुल शीशम झाड़ी, मुनि की रेती, निकट शासकीय स्कूल, ऋषिकेश, जिला टिहरी गढ़वाल 249 137 (उत्तराखण्ड)	सामवेद (कौथुम शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 28 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रू. 2,23,000/-
199.	श्री नारायणप्रसाद भट्टराई श्री स्वामीनारायण वैदिक ऋषिकुल शीशम झाड़ी, मुनि की रेती, निकट शासकीय स्कूल, ऋषिकेश, जिला टिहरी गढ़वाल 249 137 (उत्तराखण्ड)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 13 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रू. 84,000/-
पश्चिम बंगाल -				
				रू. 3,71,000/-
200.	श्री ईशेन्द्रकुमार पाराशर श्री मठ जगद्गुरु शंकराचार्य वैदिक विद्यापीठम् शंकरमठ रामराजातला, ईस्ट सान्त्रागाछी, जिला हावड़ा (प. बंगाल)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 3 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रू. 42,000/-
201.	श्री चन्दनकुमार मिश्र श्री गौरांग वेदविद्यालय, होलीनेस्ट बिल्डिंग, फ्लेट नं. 516-17-20, 7, रानी रासमनी रोड, दक्षिणेश्वर के बगल में, कोलकाता - 35 (प. बंगाल)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 6 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रू. 96,500/-

202.	श्री रामस्वरूप मिश्र द्वारा - श्री गौरांग वेदविद्यालय हॉलीनेस्ट बिल्डिंग, फ्लेट नं. 520 7, टी. एन. बिस्वास रोड, कोलकाता - 700 035 (प. बंगाल)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,08,000/-
203.	श्री स्मृति रञ्जन पति श्रीमठ जगद्गुरु शंकराचार्य वैदिक विद्यापीठम् शंकरमठ रामराजातला, ईस्ट सान्त्रागाछी जिला हावड़ा (पं. बंगाल)	शुक्ल यजुर्वेद (काण्व शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 7 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 42 000/-
204.	श्री अभिषेक दुबे श्रीमठ जगद्गुरु शंकराचार्य वैदिक विद्यापीठम् शंकरमठ रामराजातला, ईस्ट सान्त्रागाछी जिला हावड़ा (पं. बंगाल)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 8 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 82,500/-

कुल अनुदान रु. 2,00,22,786/-

अनुबंध - 5 (ब)

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

वर्ष 2010 - 2011 के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों में वैदिक सम्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना के अन्तर्गत विभिन्न यूनिटों को जारी अनुदान को दर्शाने वाला विवरण

क्र.सं.	पाठशाला अथवा स्वाध्यायी अध्यापकों का नाम जिन्हें अनुदान दिया गया	वेद तथा शाखा	प्रयोजन	राशि
असम -				**रु. 2,56,000/-**
1.	श्री लक्खी ढकाल श्री गुरु शंकराचार्य वेद विद्यालय समिति ग्राम - नेपाली पाथर, पोस्ट - गामेरी जिला सोनीतपुर 784 172 (असम)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा 19 वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 1,74,000/-
2.	श्री खगेन्द्रप्रसाद उपाध्याय श्री गुरु शंकराचार्य वेद विद्यालय समिति ग्राम - नेपाली पाथर, पोस्ट - गामेरी जिला सोनीतपुर 784 172 (असम)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 52,000/-
3.	श्री होमनाथ शर्मा श्री गुरु शंकराचार्य वेद विद्यालय समिति ग्राम - नेपाली पाथर, पोस्ट - गामेरी जिला सोनीतपुर 784 172 (असम)	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यान्दिन शाखा)	1 वेद अध्यापक को मानदेय तथा वेद छात्रों को छात्रवृत्ति	रु. 30,000/-

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित/वित्त अनुदानित पुस्तकें

क्र.	पुस्तक का नाम	लेखक	कीमत	मुद्रक/वितरक
1.	वेद एण्ड इंडियन कल्चर (अंग्रेजी)	प्रो. किरीट जोशी	95/- रु.	मे. मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स लि. 41, यू.ए. बँगलो रोड, दिल्ली - 110007
2.	इश्यूज इन वैदिक मेथेमेटिक्स (अंग्रेजी)	श्री एच.सी. खरे	135/- रु.	मे. मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स लि. 41, यू.ए. बँगलो रोड, दिल्ली - 110007
3.	ज्योतिषां ज्योतिः (संस्कृत) (अनुपलब्ध)	श्री जगन्नाथ वेदालंकार	250/- रु.	मे. मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स लि. 41, यू.ए. बँगलो रोड, दिल्ली - 110007
4.	ज्योतिषां ज्योतिः (हिन्दी) (अनुपलब्ध)	श्री जगन्नाथ वेदालंकार	250/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
5.	भोजदेवविरचितं सरस्वतीकण्ठाभरण-वैदिक-व्याकरणम् (मूल एवं गुजराती अनुवाद सहित)	डॉ. एन.एम. कन्सारा	400/- रु.	मे. मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स लि. 41, यू.ए. बँगलो रोड, दिल्ली - 110007

6.	इश्यूज इन वैदिक एस्ट्रानॉमी एण्ड एस्ट्रालॉजी (अंग्रेजी) (अनुपलब्ध)	डॉ. हरिभाई पण्ड्या डॉ. सोमदत्त दीक्षित डॉ. एन.एम. कन्सारा	120/- रु.	मे. मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स लि. 41, यू.ए. बैंगलो रोड, दिल्ली - 110007
7.	माध्यन्दिनक्रमपाठः (मूल)	श्री युधिष्ठिरमीमांसक	250/- रु.	मे. मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स लि. 41, यू.ए. बैंगलो रोड, दिल्ली - 110007
8.	एनसिलरी लिटरेचर ऑफ दि अथर्ववेद (अंग्रेजी)	श्री वी.आर. मोडक	300/- रु.	मे. मुंशीराम मनोहरलाल पब्लिशर्स लि., पो. बा. नं. 5715, 54, रानी झांसी रोड, दिल्ली एवं प्रतिष्ठान कार्यालय
9.	इश्यूज इन वेद एण्ड एस्ट्रालॉजी (अंग्रेजी) (अनुपलब्ध)	श्री हरिभाई पण्ड्या	150/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
10.	ले आउट फॉर डिफरेन्ट सेक्रीफाइसेज (अंग्रेजी)	डॉ. आर.पी. कुलकर्णी	200/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
11.	वैदिक वाङ्मय में विज्ञान (हिन्दी) (अनुपलब्ध)	डॉ. रामेश्वर दयाल गुप्त	200/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
12.	वेद का अर्थ (अंग्रेजी एवं हिन्दी)	डॉ. जगन्नाथ वेदालंकार	5/- रु.	प्रतिष्ठान कार्यालय
13.	वैदिक साहित्य (अंग्रेजी एवं हिन्दी)	प्रो. किरीट जोशी	5/- रु.	प्रतिष्ठान कार्यालय

14.	शुक्लयजुर्वेद काण्व पद-पाठः (मूल) (अनुपलब्ध)	-	75/- रु.	असम वेदविद्यालय, वेदपुरम्, रूपनगर, गोहाटी - 32
15.	वराहमिहिर-विरचित-पंचसिद्धान्तिका (अंग्रेजी)	श्री के.वी. शर्मा	350/- रु.	मे. न्यू भारतीय बुक कार्पोरेशन काशीराम मार्किट, दुर्गा काम्पलैक्स, शाप नं. 18, दूसरी मंजिल, 5574-ए, न्यूचन्द्रावल, दिल्ली एवं प्रतिष्ठान कार्यालय
16.	चार शुल्बसूत्र (हिन्दी)	डॉ. आर.पी. कुलकर्णी	320/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
17.	दि कान्सेप्ट ऑफ पुरुषार्थ (अंग्रेजी)	डॉ. एस.सी. चक्रवर्ती	165/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
18.	वैदिक सिम्बोलिज्म (अंग्रेजी)	प्रो. सत्यप्रकाशसिंह	795/- रु.	स्टेन्डर्ड प्रब्लिसर्स 225, गुप्ता पैलेस, ए-2/42, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली - 110027
19.	काण्व-शतपथम् (मूल संस्कृत)	डॉ. जी.डब्ल्यू. पिम्पलापुरे	750/- रु.	प्रतिष्ठान कार्यालय, उज्जैन
20.	वैदिक शिक्षा पद्धति (हिन्दी)	डॉ. भास्कर मिश्र	270/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007

21.	ग्लिम्सेज ऑफ वैदिक लिटरेचर (अंग्रेजी) (अनुपलब्ध)	प्रो. किरीट जोशी	160/- रु.	स्टेन्डर्ड पब्लिशर्स 225, गुप्ता पैलेस, ए-2/42, राजौरी गार्डन नई दिल्ली - 110027
22.	वेद मीमांसा (भाग 1) (मूल बंगला का हिन्दी अनुवाद)	श्री अनिर्वाण हिन्दी अनुवादक - श्री छविनाथ मिश्र	220/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
23.	वेद मीमांसा (भाग 2) (मूल बंगला का हिन्दी अनुवाद)	श्री अनिर्वाण हिन्दी अनुवादक - श्री छविनाथ मिश्र	245/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
24.	वैदिक इतिहास एवं पुरातत्त्व की अद्यतन प्रवृत्तियाँ	सम्पादक : प्रो. ओमप्रकाश पाण्डेय डॉ. श्यामसुन्दर निगम	135/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
25.	वेदकालीन प्रौद्योगिकी (कुछ आयाम)	सम्पादक - प्रो. ओमप्रकाश पाण्डेय डॉ. श्यामसुन्दर निगम	110/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
26.	गौतम ऋषियों का वैदिक वाङ्मय में योगदान	डॉ. केशवप्रसाद मिश्र	120/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
27.	ब्राह्मण ग्रन्थों में आचार-दर्शन (अनुपलब्ध)	डॉ. प्रज्ञा पाण्डेय	250/- रु.	मे. प्रतिभा प्रकाशन, 29/5, शक्तिनगर, दिल्ली - 110007

28.	धाद्विवेद कृत - नीतिमञ्जरी (सानुवाद सम्पादित) (अनुपलब्ध)	डॉ. जितेन्द्र तिवारी	125/- रु.	मे. प्रतिभा प्रकाशन, 29/5, शक्तिनगर, दिल्ली - 110007
29.	ऋग्वेदीय दर्शन एवं प्रमुख दार्शनिक सूक्त (अनुपलब्ध)	डॉ. मुरली मनोहर पाठक	220/- रु.	मे. प्रतिभा प्रकाशन, 29/5, शक्तिनगर, दिल्ली - 110007
30.	वैदिक खिलसूक्त मीमांसा	प्रो. ओमप्रकाश पाण्डेय	225/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
31.	वैदिक अनुष्ठानों का मनोवैज्ञानिक अनुशीलन	डॉ. मानसी शुक्ला/त्रिवेदी	140/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
32.	वैदिक वाङ्मय में महर्षि कात्यायन का योगदान	डॉ. अनूप मिश्र	175/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
33.	वैदिक यज्ञ संस्था और वेदविज्ञान	सम्पादक - प्रो. ओमप्रकाश पाण्डेय	500/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
34.	सामवेदीय साहित्य, संस्कृति, कला और धर्म-दर्शन	प्रो. ओमप्रकाश पाण्डेय	250/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
35.	अश्वमेध विवेक (संस्कृत)	डॉ. दिवाकर महापात्र	150/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007

36.	वैदिक शिक्षा के आदर्श एवं मूल्य	सम्पादक – प्रो. ओमप्रकाश पाण्डेय	165/- रु.	श्री श्री इन्टरप्राइजेस कलाल्सेरी, उज्जैन
37.	वेदाज द सोर्स ऑफ अल्टीमेट साइंस	डॉ. एस.आर. शर्मा	300/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
38.	वैष्णव आगम के वैदिक आधार	डॉ. चन्द्रा चतुर्वेदी	200/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
39.	अथर्ववेदीय परिशिष्ट ग्रन्थों का परिशीलन	डॉ. अंजुल दुबे	175/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
40.	नाट्यशास्त्र का वैदिक आधार	डॉ. निहारिका चतुर्वेदी	175/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
41.	श्री सायणाचार्य एवं पं. श्रीपाद दामोदर सातवलेकर कृत वेदभाष्यों का तुलनात्मक अनुशीलन	डॉ. मीनाक्षी श्रीवास्तव	290/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
42.	अथर्ववेदीय दर्शन	डॉ. सुमनलता रस्तोगी	450/- रु.	मे. प्रतिभा प्रकाशन, 29/5, शक्तिनगर, दिल्ली - 110007
43.	आर्य एवं आर्य संस्कृति	श्री श्रोती वीरेन्द्रचन्द्र	150/- रु.	मे. प्रतिभा प्रकाशन, 29/5, शक्तिनगर, दिल्ली - 110007

44.	अमूर्त वैदिक देवता	डॉ. लक्ष्मी मिश्रा	165/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
45.	सर्ववेदरुद्राध्याय संग्रह	सम्पादक - प्रो. ओमप्रकाश पाण्डेय	230/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
46.	वेद मीमांसा (भाग 3)	श्री अनिर्वाण हिन्दी अनुवादक - श्री छविनाथ मिश्र	360/- रु.	मे. नाग पब्लिशर्स, 11-ए./यू.ए. जवाहरनगर, दिल्ली - 110007
47.	हॉलिस्टिक अप्रोच ऑफ द वेदाज	प्रो. दयानन्द भार्गव	320/- रु.	अमर प्रिन्टिंग प्रेस 8/25, विजय नगर, दिल्ली - 110009
48.	अथर्ववेदीय व्रात्यसूक्तम्	सम्पादक - प्रो. श्रीकिशोर मिश्र	100/- रु.	वेदविद्या प्रतिष्ठान
49.	बाष्कलमन्त्रोपनिषद्	सम्पादक - प्रो. श्रीकिशोर मिश्र	75/- रु.	वेदविद्या प्रतिष्ठान
50.	कात्यायन मूल्याध्याय परिशिष्ट	सम्पादक - प्रो. श्रीकिशोर मिश्र	75/- रु.	वेदविद्या प्रतिष्ठान
51.	ऋग्वेदीय शाङ्खायनशाखीयो रूद्रपाठ संग्रह	सम्पादक - प्रो. रूप किशोर शास्त्री	50/- रु.	वेदविद्या प्रतिष्ठान
52.	षाण्मासिक शोध-पत्रिका 'वेदविद्या'	सम्पादक - प्रो. रूप किशोर शास्त्री	100/- रु. वार्षिक	वेदविद्या प्रतिष्ठान

XXXXXX

अनुबंध - 7

वेदों के टेप-रिकार्डिंग का विवरण जो कि महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के पास उपलब्ध हैं

क्र.सं.	टेपों का विवरण	टेपों की संख्या
1.	ऋग्वेद - (केरल पद्धति)	109
2.	सामवेद - (राणायनीयशाखा, गुर्जरगानम्) (आन्ध्र प्रदेश)	165
3.	सामवेद - (ताम्रपर्णीगानम्) (आन्ध्र प्रदेश)	141
4.	ऋग्वेद - (महाराष्ट्र पद्धति) (पूना)	83
5	सामवेद - (कौथुम शाखा) (तमिलनाडु)	91
6.	तैत्तिरीय संहिता (केरल पद्धति)	80
7.	जैमिनीय सामवेद (मद्रपद्धति) (तमिलनाडु)	14
8.	ऋग्वेदीय आरण्यक (महाराष्ट्र पद्धति) (पूना)	5
9.	विकृतिपाठ (आंशिक) (पूना)	1
10.	शांखायन ब्राह्मण (वाराणसी से) (प्रथम अध्याय से 30 अध्याय तक)	10
11.	अथर्ववेद संहिता (हरसिद्ध भाई जोशी, गुजरात) (प्रथम काण्ड से 20 काण्ड तक)	15
12.	सामवेद संहिता (बंग पद्धति) (कोलकाता)	30
13.	ऋग्वेद (आन्ध्र पद्धति)	75
14.	सामवेद - (कौथुम शाखा)	77
15.	अग्नि-सूक्त (ऋग्वेदीय)	12
16.	ऐतरेय ब्राह्मण - (ऋग्वेद) (पूना)	23
17	सामवेद-जैमिनीयशाखा (मद्र पद्धति)	52
18.	सामवेद - राणायनीय शाखा (कर्नाटक पद्धति)	55
19.	सामवेद संहिता (बड़ौदा)	45
	योग	1083